



संस्कार उजाला



सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहरनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एवं लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 163

शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024, गाजियाबाद

RNI No-UPHIN / 2013 / 50466

पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सुविचार



संक्षिप्त समाचार

बाढ़ प्रभावितों से मिले पापू यादव बोले- बेकार पड़े हेलिकॉप्टर को भेजा

सहरसा। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पापू यादव सहरसा के नौदण्ड प्रखंड क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों से मिलने के लिए पहुंचे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बाढ़ से लोगों से मिले और एक-एक हजार रुपए के साथ सूखा राशन दिया। वहीं पापू सेना के हेलिकॉप्टर बुद्धिमत्ता से काम चलाकर लोगों को लोहरा और राय सरकार पर जमाकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जंगल में बाढ़ से लोगों को खराब हेलिकॉप्टर मूल्यांकन किया गया। इससे हलका हुआ। नौदण्ड और मंत्री सरकार की ओर से भेजी जा रही राशन सामग्री को लेकर कहा कि पापू यादव बाढ़ सेना को फंसा रहा था। बेकार पड़े हेलिकॉप्टर के साथ इसके कारण सेना का हेलिकॉप्टर बुद्धिमत्ता से काम चलाकर दुबारा है।

बिहार में आज फिर बारिश की संभावना...12 जिलों में अलर्ट

पटना। बिहार में मौसम विभाग ने 4 अक्टूबर को पूर्वी बिहार में 12 जिलों बारिश होने की संभावना जाहिर की है। वहीं कोशी नदी के जलस्तर में भीते दिनों हुई भारी बुद्धि और पश्चिमी कोशी बाढ़ टूटने के बाद कोशी क्षेत्र की लाफ लाइन सहरसा-मानसी रेलखंड पर पानी का दबाव बढ़ सकता है। रविवार की ओर से 15 अक्टूबर तक पहले से अलर्ट जारी रखा गया है। अधिकारियों की अलग-अलग टीमें ट्रेक का लगातार निरीक्षण कर रही हैं। इधर, बुधवार को बिहार के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में नदियों के जलस्तर में कमी आई। हालांकि, बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब भी बड़ी संख्या में लोग बच्यो व मवेशियों के साथ तटबंधों और सड़कों के किनारे शरण लिए हुए हैं। उन्हें भोजन, पानी, दवा व दवाइयों की कमी से जटिलता पड़ रही है। आगदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक रायचूर के 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। पटना मौसम विभाग के मुताबिक नवरात्रि में अधिकतर हिस्से में सामान्य अथवा सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान है। जिसकी संभावना 30 से 40 प्रतिशत है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 8 से 10 अक्टूबर तक मानसून की विदाई हो सकती है। लेकिन, इस साल 15 अक्टूबर तक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बिहार के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

आज केजरीवाल सरकारी आवास छोड़कर आप सांसद के घर में करेंगे प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को अपना सरकारी आवास खाली कर देंगे। इसके बाद केजरीवाल आप सांसद आशोक मिश्र के घर में रहेंगे। आप सांसद का घर नई दिल्ली विधानसभा में ही आता है। केजरीवाल अब यहाँ से अपनी सीट और दिल्ली चुनाव का प्रचार-प्रचार करने से देखेंगे। सीएम की कुलीन छोड़ने के बाद केजरीवाल के नए आवास को लेकर कई तरह के अफवाहें लगी जा रही हैं। अरविंद केजरीवाल शुक्रवार 4 अक्टूबर को अपना सरकारी आवास पूरी तरह खाली कर देंगे। इसके बाद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के कार्यकारी मिश्र के घर रहेंगे। आम आदमी पार्टी के कई नेताओं, पार्षदों, विधायकों और सांसदों ने केजरीवाल को अपना घर देने की प्रस्ताविका की थी। केजरीवाल का बदर सीएम प्रवक्ता नरेश कुमार ने पेशावर रोड पर स्थित सरकारी आवास ही उनका पसंदीदा ठिकाना था। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अब उन्हें यह घर खाली करना था। एक दिन पहले वे अटकलें लाना ही नहीं थी कि वह मंडी हाउस के पास किरायेदार शह रोड पर आम आदमी पार्टी के दो सांसदों को आवाहन करवाते बने। मने से किसी एक के घर रहने के लिए जा सकते हैं।

हॉस्पिटल में डॉक्टर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज स्थित जैतपुर इलाके के नीमा हॉस्पिटल में दो नाबालिगों ने एक 55 साल के डॉक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान सुनील शंकर जादव अक्षर के रूप में हुई है। पटना के बाढ़ से भीतरी फरार हो गए। उनकी लताशा की जा रही है। हॉस्पिटल कर्मचारियों के अनुसार, दोनों आरोपियों की उम्र 16 से 17 साल के बीच थी। उनमें से एक आरोपी का 1 अक्टूबर को पैर के अंगूठे में चोट का इलाज हुआ था। वह बुधवार दे रात एक लड़के के साथ हॉस्पिटल पहुंचा था।

नौकरी दिलाने के नाम पर कॉलेज सचालक ने कई युवाओं से की धोखाधड़ी

गाजीपुर। फजीर परिवार पर देने और नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 15 लाख रुपये उठाने वाले गिरिहो के पुलिस तलाश रही है। उम्र का आरंभ कॉलेज सचालक और उसके सहयोगियों पर लगा है। गाजीपुर पुलिस ने सचालक सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पांच ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दण्डादेश दी जा रही है। कुछ दिन पूर्व गण्डिनपुर के रहने वाले दिवंगत चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हथ फाड़ की नौकरी दी थी। उन्होंने बताया था कि फजीर गिरिहो के बिहार में नौकरी देने के नाम पर धोखाधड़ी की। करीब 15 लाख रुपये और 10 लाख रुपये की जमानत आरोपियों ने ले ली। मामले पर वापस करने से इंकार कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला नकदीपुर गांव में चलने वाला कच्चा बाबा कोशिम सेक्टर का है। जहां आस-पास के गांव के साथ ही पूर्ण और बिहार के कई जिलों के युवा आते हैं। पुलिस और अन्य भर्ती के लिए कोशिम करने आते हैं। इसका फायदा उठाकर कोशिम सचालक विनोद कुमार गुप्ता ने इन लोगों को नौकरी दिलाने का लालच दिया। आरोप है कि कोशिम सचालक ने इसके बदले 10 से 15 लाख रुपये लिए। आरोपी ने बिहार सरकार के संचालक में एलडीसी की भर्ती का फजीर निष्पत्ति पर आई कई भी सभी अर्थव्यवस्था को दे दिया। जब अर्थव्यवस्था संचालक पद पर पहुंचे, तब उन लोगों को पता चला कि इन तरह के पद का कहां पर विद्यालय नहीं आया है। इसके बाद यह सभी लोग वापस आए, अपने पैसों के लिए दबाव बनाने लगे। गुप्ता ने कई लोगों को 8 से 9 लाख रुपये का चेक किसी नौतु नाम की महिला के बैंक खाते का दिया।

हरियाणा में थमा चुनाव प्रचार...राज्य की 90 सीटों पर कल होगा मतदान

—भाजपा-कांग्रेस में मुकाबला, इनलो-बसपा और निर्दलीय दर्जनभर सीटों पर टकरा में

—जाट-दलित-बागी तय करेंगे सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में गुरुवार को चुनाव प्रचार थम गया। यहां की 90 सीटों पर 5 अक्टूबर को एक साथ वोट डाले जाएंगे। भाजपा और कांग्रेस ने दिल्ली से सटे इस राज्य में अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों में है। वीते 10-12 दिन में भाजपा यहां रिजल्ट इस बात पर भी डिपेंड करेगा कि वहां थर्ड प्लेयर के रूप में इनलो-बसपा, आप और जेजेपी-एएसपी के अलावा निर्दलीय कितने वोट ले पाते हैं। हरियाणा की 90 सीटों में से कांग्रेस 40 से 50 और भाजपा 22 से 32 सीटों पर मजबूत दिख रही है। भाजपा की सीटों का आंकड़ा बहुत हद तक इस बात पर भी डिपेंड रहेगा कि साइलेंट वोटर आखिरी

समय में किस तरफ जाता है और जाट-दलित वोट बंटते हैं या नहीं। साक्षी यौन शोषण केस में सजा काट रहा डेरा सच्चा सोदा प्रमुख राम रहीम पॉलिंग से ठीक पहले पैरोल पर बाहर आ चुका है। कांग्रेस इसके खिलाफ चुनाव आयोग गई, लेकिन उसकी आपत्तियां दरकिनार कर दी गईं। राज्य की दो दर्जन से ज्यादा सीटों पर डेरा का प्रभाव है और वह आधा दर्जन से ज्यादा सीटों पर रिजल्ट प्रभावित कर सकता है। इसका फायदा भाजपा को मिलने का अनुमान है। अन्य दलों की बात करें तो इनलो-बसपा गठबंधन 1 से 5 और निर्दलीय 4 से 9 सीटों पर आगे रह सकते हैं। दर्जनभर सीटों पर वह मुख्य टकरा में हैं। आम आदमी पार्टी का वोट शेयर तो इस बार बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन वह एकाध सीट पर ही मुख्य मुकाबले में है। दुर्घत चौटाला की जननायक जनता पार्टी और सांसद चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी कहीं फाइट में नजर नहीं आती।

बागी-भितरघात से निपटना चुनौती

विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के लिए बागी और भितरघात से निपटना बड़ी चुनौती है। भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर के बीच अपने प्रबंधन और ताबड़तोड़ प्रचार के दम पर बगावत और भितरघात से निपटने की कोशिश में लगी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने 28 सितंबर को हिसार में रैली की थी। 21 सीट वाली जाट बाहुल्य बागड बेल्ट में हुई इस रैली और मोदी-शाह के आक्रामक रवैये से

बदलाव दिखना शुरू हुआ। उम्मीदवारों के साथ-साथ वक्ताओं का मनोबल भी बढ़ा। कांग्रेस सीटों के लिहाज से वह सबसे बड़ी पार्टी तो बनती दिख रही है। मेवात की 3 सीटों पर वह सेफ दिख रही है। बांगर (9 सीट) और जाटलैंड कहलाने वाली देशवाल (14 सीट) बेल्ट में भी पार्टी को एडवेंटेज तो नजर आता है, लेकिन उसके कई कैडिडेट नजदीकी मुकाबले में फंसे हैं। कांग्रेस को सबसे बड़ी उम्मीद जीटी रोड (23 सीट), अहीरवाल (11 सीट) और साउथ हरियाणा (9 सीट) से है। यह तीनों इलाके भाजपा का गढ़ कहे जा सकते हैं।

भाजपा के लिए चुनौती

चुनौतियों की बात करें तो भगवा पार्टी के लिए भितरघात और बागी मुश्किल पेश कर सकते हैं। भाजपा हाईकमान ने अहीरवाल बेल्ट में केंद्रीय राजस्वमंत्री राव इंद्रजीत को फ्री हेंड दिया और सबसे ज्यादा चुनौतियां इसी इलाके में नजर आती हैं। 2014 में पार्टी ने यहां की सभी 11 और 2019 में 11 में से 8 सीटें जीती थीं। यहां भाजपा के कई बड़े चेहरे या तो चुप बैठे हैं या फिर पार्टी उम्मीदवार की जगह विरोधी की मदद में लगे हैं। इसी भितरघात के चलते अहीरवाल बेल्ट में भाजपा के कई दिग्गज चेहरे भी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त नजर नहीं आ रहे। भाजपा के लिए बागी मुसुंबत बने हुए हैं। पार्टी नेतृत्व के तमाम प्रयासों, मित्रों और घुड़कियों के बावजूद 15 सीटों पर उसके तकरीबन

डेढ़ दर्जन बागी मैदान से नहीं हटे। यही कारण है कि अमित शाह से लेकर राव इंद्रजीत तक को सभाओं में ये बात कहनी पड़ रही है कि लोग भाजपा के कैडिडेट को देखकर नहीं, बल्कि कमल का निशान देखकर वोट दें।

कांग्रेस के लिए चुनौतियां

कुछ हफ्ते पहले तक सब कुछ कांग्रेस के फेवर में नजर आ रहा था, लेकिन बीते 10-12 दिन उसके लिए अच्छे नहीं कहे जा सकते। पार्टी उम्मीदवारों से लेकर रणनीति बनाने वाले भी ऑफ द रिकॉर्ड बातचीत में इससे इनकार नहीं कर रहे। सत्ता कभी कोई तरतरी में सजाकर नहीं देता, ये बात कांग्रेस के जो कैडिडेट भूल गए थे, वह अब दिक्कत में नजर आ रहे हैं। आखिरी समय तक मैदान नहीं छोड़ने और कमजोर पोजिशन को भांपकर एकसूत्र ताकत झोंक देने वाली भाजपा के सामने ओब्सर्वाफिडेंस का शिकार हो जाना कहीं न कहीं भारी पड़ना दिख रहा है। रोहतक शहर की सीट हुड्डा कैम्प के लिए नाक का सवाल बन गई है। सोनीपत, गानौर, राई, बादली और बहादुरगढ़ का गढ़ बनाने के लिए उसे अतिरिक्त ताकत लगाने हूए राहुल गांधी का रोड शो करना पड़ गया। कांग्रेस को अपने नेताओं की गुटबाजी से भी नुकसान हो रहा है। एक दर्जन के आसपास सीटों पर कैडिडेट्स हड्डा कैम्प और सैलजा घड़े की अरुन्धी खींचतान के शिकार हैं।

जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें

—जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे

—कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है

कैथल (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। कैथल और जींद में आयोजित जनसभाओं में योगी ने सनातन संस्कृति और कांवड़ यात्रा को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को घंटे और शंख की आवाज से परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और घर में रहें। योगी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा में डीजे, घंटा और चड़ियाल बजते रहेंगे, और अगर कोई इसमें बाधा डालने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कैथल में जनसभा के दौरान सीएम योगी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, जब-जब अत्याचार बढ़ेगा, हरि आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर सनातन धर्म से नफरत करने और समाज को बंटने का आरोप लगाया। योगी ने कहा कि कांग्रेस देश को नशे की ओर धकेलना चाहती है और इसके नेतृत्व नशे के कारोबार में लगे हुए हैं। उन्होंने नशे के कारोबारियों की तुलना पौराणिक दानव चंड-मुंड और महिषासुर से की।



जींद में योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले कांवड़ यात्रा को बाधित किया जाता था, लेकिन उनकी सरकार ने इसे पूरी स्वतंत्रता से चलने दिया। उन्होंने कहा, कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा और चड़ियाल भी बजेगा। जिन लोगों को इससे परेशानी होती है, वे अपने कान बंद कर लें और अपने घरों में रहें। योगी आदित्यनाथ ने उज्वल इंजन की सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने विरासत के सम्मान के साथ-साथ विकास का कार्य भी किया है। उन्होंने बताया कि हार्डवेयर, एक्सप्रैसवे, रेलवे, मेट्रो, इलेक्ट्रिक बसें और शैक्षणिक संस्थान जनता को दिए गए हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस सिर्फ खटावट वाली सरकार थी, जिसने देश को सफाचट कर दिया।

सावित्री जिंदल के गुलाबी रंग में रंगा हिसार, सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

हिसार में परिवर्तन और विकास का प्रतीक बना ऐतिहासिक रोड शो

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) : हिसार की सड़कों पर आज एक ऐतिहासिक और भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला, जब सावित्री जिन्दल के रोड शो में हजारों लोग बाईक और कार पर सवार होकर अपना समर्थन देने शामिल हुए और जगह-जगह अपनी प्रिय नेत्री सावित्री जिन्दल का गर्मजोशी से स्वागत किया। पूर्व ऊद्योगमंत्री ओपी जिन्दल जी की सेवा की विरासत को आगे बढ़ा रही सावित्री जिंदल के रंग में आज पूरा शहर रंगा नजर आया, और गुलाबी झंडों और बैनरों से सजी सड़कों ने हिसार में परिवर्तन का संदेश दिया। यह रोड शो न केवल एक राजनीतिक अभियान था, बल्कि एक



भावनात्मक लहर थी, जिसने सावित्री जिंदल की ममतामयी छवि को और भी मजबूत कर दिया। जेएसएल से लेकर ओपी जिंदल पार्क-मिलिट्री तक लगभग 5 घंटे का रोड

और जनता की मांग पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया, उस पर लोगों ने उन्हें पूरा समर्थन दिया है। लोगों का यह उत्साह इस बात का प्रतीक है कि सावित्री जिंदल अब केवल उम्मीदवार नहीं हैं, बल्कि हर घर की उम्मीद हैं। यह रोड शो उनके चुनावी अभियान की एक ऐतिहासिक जीत की ओर इशारा कर रहा है, जो उनके सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस भव्य रोड शो ने न सिर्फ राजनीतिक समीकरणों को बदल दिया है, बल्कि उनके उन सपनों को पूरा करने का मार्ग भी प्रशस्त किया है, जो हिसारवासी उनसे उम्मीद करते हैं। लोग मानते हैं कि यह रोड शो उनकी जीत और हिसार के विकास का प्रतीक है। इस रोड शो के दौरान सावित्री जिंदल ने अपील की कि 5 अक्टूबर को बैटरी टॉर्च के निशान पर वोट देकर हिसार को विकास की राह पर अग्रसर करें। बैटरी टॉर्च, जो अब न केवल रोशनी बल्कि एक उज्वल भविष्य का प्रतीक बन चुका है, सावित्री जिंदल के नेतृत्व में हिसार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का वादा करता है। सावित्री जिंदल की इस यात्रा में जनता का समर्थन उन्हें उच्च बिंदु तक ले जा रहा है, जहां वे हिसार के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प ले चुकी हैं। सड़कों की मरम्मत, जलभराव की समस्या, सीवर ज व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए सावित्री जिंदल ने अपने संकल्प

हजारों गाड़ियों और दुपहिया वाहनों के साथ होगा प्रो छत्रपाल सिंह का रोड शो

जेवरा गांव में चांदी की झाड़ू देकर धानक समाज ने प्रो छत्रपाल सिंह को दिया समर्थन

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) : मतदान का दिन जैसे जैसे नजदीक आ रहा है वैसे वैसे प्रो छत्रपाल सिंह को जीत निश्चित होती जा रही है। बुधवार को विभिन्न जन सभाओं में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार प्रो छत्रपाल सिंह को भरपूर समर्थन मिला। सिलसिला शुरू हुआ गांव गुलान, जेवरा और बीछणडी से गांव गांव वारियों ने पगड़ी पहनाकर और फूल मालाओं के साथ प्रो छत्रपाल सिंह का स्वागत किया। गांव की 36 बिरादरी ने प्रो साहब का समर्थन करने की बात कही। इसके बाद जब प्रो छत्रपाल सिंह जी भगाना गांव पहुंचे तो वहां पर धानक समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने पगड़ी पहनाकर और चांदी की झाड़ू सम्मान स्वरूप देकर पूर्ण समर्थन का पेलान किया। कार्यक्रम में जनता को संबोधित करते हुए प्रो छत्रपाल सिंह ने कहा कि आप लोगों से जो प्यार और सम्मान मुझे मिल रहा है मैं हमेशा उसके लिए आभार अर्पण करूंगा।



रहंगा और आम बरवाला की जनता मुझे विधानसभा में अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजती है तो मैं पूरे पांच साल क्षेत्रवासियों की एक आवाज पर अपने के लिए प्रतिबद्ध हो जाऊंगा। मेरे पिछले कार्यकाल में मैंने कभी किसी का एक पैसा भी नहीं खाया। कोई एक भी व्यक्ति आकाश से कह दे कि मैं किसी का एक रुपया भी खाया है तो मैं दैनदार हूँ। ग्लोबल स्पेस और गीता कॉलोनी में भी प्रो साहब ने जनसभाओं को संबोधित किया जहां पर गांव वारियों ने अपना विस्वास्त दिखाने

और आम आदमी पार्टी के बरवाला हल्के से प्रत्याशी प्रो छत्रपाल सिंह के लिए वोट की अपील करेंगे। रोड शो सुबह 10 बजे डीलरों की हूए काफिला बरवाला के मुख्य बाजार से होते हुए बरवाला हल्के के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों व क्षेत्रों से होता हुआ गुजरेंगे। विभिन्न जनसभाओं में दाम्नी खान बहादुर, दाम्नी मिरदाद, राजकी, बीछणडी, बिबलपुर, गुलान, वांधू, शिकारपुर, रायपुर, मिजापुर, नयाना, अलीपुर, भेयार, साराड खर्द और सारसोड खस गांवों की छत्तीस बिरादरी ने तथा बरवाला शहर के बहुते वार्डों ने प्रो छत्रपाल सिंह को पूर्ण समर्थन दिया है। जिसके चलते गांववासियों और शहर वारियों ने टैक्टर ट्रालियों और अन्य वाहनों के साथ हजारों की संख्या में रोड शो का हिस्सा बनने की बात कही।

इनेलो बसपा प्रत्याशी ने निकाला रोड शो

प्रदेश में बनेगी इनलो बसपा गठबंधन की सरकार: बलराज सभ्रवाल

संस्कार उजाला

हरियाणा/हिसार (गरिमा) : इंडियन नेशनल लोकदल के प्रत्याशी बलराज सभ्रवाल ने उकलाना हल्के में रोड शो निकाल कर अपनी ताकत का एहसास करवाया। रोड शो में जहां सैकड़ों की संख्या में गाड़ियों का काफिला था इस काफिले में सैकड़ों लोग भी शामिल रहे। रोड शो का काफिला प्रातः शुरु हुआ और सांय कालीन तक आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाया था। वहीं बलराज सभ्रवाल ने कहा कि रात्रि काल तक ही है पूरे



हल्के में घूमेंगे और उकलाना हल्के की जनता मन बन चुकी है कि इस बार इनेलो बसपा की सरकार हो। वहीं उन्होंने कांग्रेस तथा भाजपा को कहा कि यह पार्टियों को जनता नकार चुकी है अब समय इनेलो व बसपा का है उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभय चौटाला मुख्यमंत्री होंगे। जिसके लिए उकलाना हल्का की जनता मन बनाया है और पूरे प्रदेश में इनेलो की लहर है। इस मौके पर हलका अध्यक्ष कलीराम खेदड़ नरेंद्र घणघस सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

पराली जलाना नहीं रुका... पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार

—सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को पराली जलाने वाले किसानों से केवल नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर कड़ी फटकार लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पराली जलाने के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है, जिससे दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसके साथ ही, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि आयोग ने पराली जलाने की घटनाओं को रोकने में आवश्यक निर्देशों को लागू करने

का कोई प्रयास नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि 29 अगस्त को हुई बैठक में सिर्फ 11 में से 5 सदस्य ही उपस्थित थे इतना ही नहीं बैठक में अवलत के निश्चेश पर चर्चा नहीं की गई। कोर्ट ने कहा, जब तक लोग यह नहीं समझते कि उन्हें वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम के तहत गंभीर दंड का सामना करना पड़ेगा, तब तक पराली जलाना नहीं रुकेगा। यह आयोग की जिम्मेदारी है कि वहां प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। कोर्ट ने आयोग की स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा कर कहा, आयोग केवल बैठकें आयोजित करने में व्यस्त है और अपने आदेशों को लागू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। न्यायाधीशों ने स्पष्ट किया कि आयोग को अधिनियम के तहत आचार्यिक मामले दर्ज करने, जुर्माना

लगाने और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को बंद करने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने आंकेडों का हवाला देकर कहा कि 15 से 30 सितंबर के बीच पंजाब और हरियाणा में 129 अवैध पराली जलाने की घटनाएं हुईं। कोर्ट ने कहा कि केवल जुर्माना वसूलना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि अब आवश्यकता है कि इन्हें कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए। पंजाब सरकार ने बताया कि वहां किसानों को वैकल्पिक प्रोत्साहन प्रदान करने के बाद ही दंडात्मक कार्रवाई करेगी। राज्य के एडवोकेट जनरल ने कहा कि राज्य में 1.4 लाख से अधिक पराली हटाने वाली मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन छोटे किसानों को मशीनों के संचालन के लिए इंधन और इंधन की आवश्यकता है। इस मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।



शक्तिशाली देशों की सूची में भारत पहुंचा तीसरे स्थान पर



प्रह्लाद सबनानी

भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इंस्टिट्यूट थिंक टैंक, ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। 'एशिया पावर इंडेक्स 2024' नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे हैं। रूस तो पहिले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है।

एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो राष्ट्र शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर कुल 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है।

उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर 'क्वार्टर' के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक



स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आंकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के राष्ट्र समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आंकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक

विपरीत है। भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान, आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है, एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल में एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आप सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके। उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है। अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में

ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराइल एवं हमस युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के अंतर्गत स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है।

दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिखा गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं।

उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आंकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

संपादकीय

संकट में पश्चिम एशिया

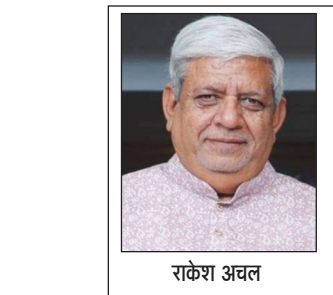
इजराइल पर ईरान की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों से हमलों से पश्चिम एशिया में युद्ध का संकट गहरा गया है। इजराइल और छापामार संगठन हमस एवं हिजबुल्लाह के बीच का संघर्ष तो सीमित दायरे में होने वाली उथल-पुथल थी लेकिन संघर्ष में ईरान के शामिल होने के बाद क्या होगा, इसका आंकलन जाने-माने युद्ध विश्लेषक भी नहीं कर पा रहे हैं। ईरान ने कहा है कि हमला हमस प्रमुख इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह चीफ नरोल्लाह की मौत का बदला है। सुनिश्चित है कि इजराइल प्रतिक्रियास्वरूप ज्यादा माफक हमला ईरान पर करेगा। अमेरिका ने इस इजराइल की मदद करने की घोषणा कर दी है। फिलिस्तीन में जब संघर्ष शुरू हुआ था तो परमाणु विशेषज्ञों ने संभावना व्यक्त की थी कि ईरान कुछ ही सप्ताह के अंदर परमाणु बम बना सकता है। पिछले एक वर्ष के दौरान ईरान का परमाणु कार्यक्रम कहां तक पहुंचा है, इस बारे में कयास ही लगाया जा सकता है। पश्चिम एशिया के संघर्ष में परमाणु हथियारों का आयाग जुड़ जाने से विश्व मान्यता के सामने अभूतपूर्व संकट पैदा हो गया है। ईरान ने जैसे तेवर अपनाए हैं, उसे देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि उसके पास सीमित संख्या में परमाणु बम हों। युद्ध भयानक रूप लेता है तो इजराइल टैक्टिकल परमाणु बम (सीमित विध्वंस क्षमता) का उपयोग कर सकता है। ऐसा उस समय होगा जब इजराइल परंपरागत हथियारों से अपनी रक्षा करने में स्वयं को कमजोर महसूस करे। ईरान के पास परमाणु बम है तो इन्हें हालात में इस्माइल के खिलाफ उनका इस्तेमाल करेगा। पश्चिम एशिया के अनेक देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे हैं जिनका उपयोग इजराइल की मदद के लिए किया जाएगा। ऐसे में अमेरिकी अड्डे ईरान के लिए माफक निशाना बन सकते हैं। दूसरी ओर, रूस और चीन कभी नहीं चाहेंगे कि ईरान की भारी पराजय हो। वे सीधे रूप से युद्ध में शामिल होते हैं या नहीं, यह बहुत कुछ हालात पर निर्भर करता है। भारत के लिए भी पश्चिम एशिया का संकट नई आर्थिक चुनौती पेश कर सकता है। आने वाले दिनों में कच्चे तेल का अंतरराष्ट्रीय मूल्य कितना ऊपर जाता है, यह विश्व अर्थव्यवस्था की बहाली के लिए निर्णायक होगा। रूस के खिलाफ यदि प्रतिबंध जारी रहा और पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति बाधित हुई तो जापान और यूरोप के देशों की अर्थव्यवस्था की कमर टूट सकती है। भारत के लिए राहत की बात यह है कि रूस एक विश्वसनीय ऊर्जा प्रदाता देश है, जो आड़े समय में उसके काम आएगा।

चिंतन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। अत्यंत विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उत्कृष्ट विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर, नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस दशा में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निरदोष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेश्वर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेश्वर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अतः शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्वलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेश्वर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर, अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पुँटित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति को किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं।

सियासत में जलेबी, चूरमा और लड्डू



राकेश अग्रवाल

मुझे इजराइल-लेबनान युद्ध पर नहीं लिखना। मैं फिलहाल चिराग पासवान पर भी नहीं लिखना चाहता। मैं जलेबी और चूरमा पर लिख रहा हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि मौजूदा कड़वी सियासत के दौर में जलेबी और चूरमा ज्यादा बेहतर विषय है लिखने के लिए। फिलहाल जलेबी और चूरमा पर हिन्दू-मुसलमान की छाप भी नहीं पड़ी है, इसलिए वे अब तक समारंशता का बोध कराने वाले मिश्रण हैं। आप मांयें या न मांयें लेकिन हकीकत ये है कि कड़वाहट से भरे नेताओं को भी मिश्रण प्रिय होते हैं, भले ही नेता मधुमेह के शिकार हों। मिश्रण सामने आ जाये तो पीछे नहीं हटता। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और ग्वालियर के सपूत अटल बिहारी वाजपेयी को बहादुर के लड्डू और गुलाब जामुन प्रिय थे, हालांकि वे चाची के मंगौड़ी के भी मुग्ध थे। मुझे लगता है की भाजपा ने यहीं से मंगौड़ी तलने की बात शुरू की थी। जब तक अटल जी रोग शैथ्या पर नहीं गए थे तब तक इन लड्डूओं और मंगौड़ी का सेवन करते रहे। बाजपेयी जी से मिलने वाले उनके रिश्तेदार हों या और कोई यदि उन्हें बहादुर के लड्डू भेंट करते थे तो उनके मुखमंडल पर एक स्निग्ध मुस्कान तैरने लगती थी। पूर्व राष्ट्रपति डॉ शंकर दयाल

शर्मा जलेबी कि शौकीन थे। वे राष्ट्रपति भवन में आंगतुकों को भी जलेबी ही खिलाते थे। यह हाल ही में तिरुपति के प्रसाद में मिलने वाले लड्डूओं के विवाद के बावजूद ग्वालियर में न बहादुर के लड्डूओं के प्रेमियों की संख्या कम हुई है और न लखनऊ में टण्णू के लड्डूओं की। लड्डू हैं ही ऐसी मिठाई जिसे हर जाति और धर्म के लोग खाते हैं। लड्डू भरे हिमाचल से मिठाइयों का राजा है। कायदे से उसे अब रक राष्ट्रीय मिश्रण घोषित कर देना चाहिए था। मुस्कान है की महाराष्ट्र सरकार ने जैसे हाल ही में गाय को राज्य माता का दर्जा दिया है वैसे ही आने वाले दिनों में कोई लड्डू प्रेमी सरकार लड्डू को भी राज्य या राष्ट्र मिश्रण का दर्जा दे दे। हमारे यहां दर्जा देना या पेराल देना बहुत आसान काम है।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव प्रचार में गोहाना पहुंचे लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता और भाजपा के सर पर चढ़े भूत राहुल गांधी भी जलेबी नाम के एक मिश्रण के मुग्ध हो गए। गोहाना की चुनवाई सभा के मंच पर राहुल गांधी ने मातृमण्डल हलवाई की जलेबी का स्वाद चखा। दीपेंद्र हुड्डा ने राहुल गांधी को अपने हाथों ये जलेबी खिलाई। राहुल को इसका स्वाद इतना पसंद आया कि उन्होंने एक डिब्बा अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए पैक करवा लिया। उन्होंने अपनी रैली में भी इस जलेबी का जिक्र किया। बता दें कि लाला मातृमण्डल की जलेबी कोई सामान्य जलेबी नहीं है, इन्का आकार सामान्य जलेबी से ज्यादा बड़ा है एक जलेबी ढाई सौ ग्राम तक की होती है।

जलेबी केवल हम भारतीयों को ही नहीं बल्कि भारत के बाहर तमाम इस्लामिक राष्ट्रों की जनता को भी प्रिय है। वे इसे हिन्दू मिठाई मानकर इसका तिरस्कार नहीं करते। जानकार बताते हैं कि जलेबी भारतीय

उपमहाद्वीप व मध्यपूर्व की एक लोकप्रिय मिठाई है। यह किसी कर्ण कुंडल की तरह ऐसी रसभरी होती है कि आप इसे खाते बिना रह नहीं सकते। कोई इसे दुध में डालकर खाता है तो कोई रबड़ी डालकर। किसी को जलेबी दही के साथ खाना पसंद है लेकिन खाते सब है। कहीं जलेबी बहुत छोटे आकार की बनती है तो गोहाना में 250 ग्राम की एक। सागर में तो जलेबी में मावा भरा जाता है। इसका स्वाद में मीठी और खमीर की वजह से हल्की सी खुट्टी जलेबी की लोकप्रियता ऐसी है कि हमारे यहां सुंदर महिलाओं का नाम तक जलेबी बाई रखा जाता है। जलेबी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि हमारे यहां जलेबी बाई फिल्मों गीत भी है, वेव सीरीज भी है और कार्टून श्रंखला भी

जलेबी की धूम में अपनी अनेक विदेश यात्राओं में भी देखी भारत के अलावा बांग्लादेश, पाकिस्तान, ईरान के साथ समस्त अरब देशों में भी यह जानी-पहचानी है। मैंने तो स्पष्ट में भी जलेबी खाई। अमेरिका में तो जलेबी आसानी से मिल जाती है। जलेबी की तारीफ कर इसके जरिये रोजगार की बात कर राहुल गांधी भले ही अपने विरोधियों द्वारा ट्रोला किये जा रहे हों लेकिन इससे जलेबी का तो पेट ही हुआ। वैसे भी हमारे राम जी सभी का भला करते हैं।

जलेबी के बाद आइये बात करते हैं चूरमा की। चूरमा राजस्थान का अघोषित राज्य मिश्रण है और इसकी धूम देश-विदेश तक है। हाल ही में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी चूरमा खाकर न सिर्फ गदगद हो गए बल्कि उन्हें अपनी दिवंगत माँ की याद भी आ गयी। भारत के २7तार जेवेलिन श्रौअर नीरज चोपड़ा की मान ने ये चूरमा भेजा था। मोदी जी ने चूरमा न सिर्फ खुद खया बल्कि जमेका के

प्रधानमंत्री को भी खिलाया और भावुक होकर नीरज की माँ श्रीमती सरोज देवी को एक आभार पत्र भी लिख दिया। आपकी याद होगा की मोदी जी सामान्य तौर पर किसी कि पत्र का जवाब नहीं देते। मल्लिकार्जुन खरगे तक कि पत्र का जवाब उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नन्दा से दिलवाया था, लेकिन नीरज की माँ को मोदी जी ने खुद पत्र लिखा।। ये चूरमे की ही ताकत तो थी। मोदी जी ने लिखा - आज इस चूरमे को खाने के बाद नीरज को पत्र लिखने से खुद को रोक नहीं सका। भाई नीरज अक्सर मुझे इसे चूरमे की चर्चा करते हैं, लेकिन आज इसे खाकर मैं भावुक हो गया। आपके अपार स्नेह और अपनेपन से भरे इसे उपहार ने मुझे मेरी माँ की याद दिला दी।

अब आप समझ ही गए होंगे कि मिश्रण चाहे कोई भी हो बहुत ताकतवर चीज है। मिश्रण शुष्क से शुष्क आदमी को भी सरस बना सकता है। मिश्रण कड़वाहट मिटाने का सबसे बढ़िया विकल्प है, आप इसे कड़वाहट का एंटी डोज भी कह सकते हैं शायद इसीलिए हमारे यहां तीज-त्थौहारों पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया जाता है। मैं तो कहता हूँ कि मिश्रण बिना जग सुरू है। सियासत में बढ़ती कड़वाहट और अदवात को मिश्रण के जरिये दूर किया जा सकता है, फिर मिश्रण चाहे लड्डू हो, जलेबी हो, चूरमा हो या बंगाल का रसगुल्ला। मैं तो कहता हूँ कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर स्वच्छता पखवाड़ा मानते हुए आम जनता को रसगुल्ला विवरित करना चाहिए था। यदि ऐसा होता तो प्रधानमंत्री जी और उनकी पार्टी के तमाम लोग सदृशखाली और कोलकाता जैसे मुद्दे उठाना भूल जाते। देश में पुरखों की विवाह के बाद देवी स्वरूपा दुर्गा का आगमन हो चुका है।

इजराइल-ईरान संघर्ष बढ़ा तो प्रभाव दुनिया भर में पड़ेगा



अमेरिका और इजराइल पहले से तैयार थे। इससे एक ओर सायरन बजने से लोग सचेत हो गये और घरों एवं आसपास की खंदकों/बंकरों में सिर छुपाने चले गये। वहीं, नेतन्याहु प्रशासन की नजरें व्हाइट हाउस पर टिक गयीं तो बाजूएं ईरान को छठी का दूध याद दिलाने के लिए मचल उठीं। बेंजामिन नेतन्याहु ने अपने मंत्रिमंडल के एक स्वर में फैंसला कर लिया।

वहीं, आयतुल्ला खुमैनी को इजराइल पर मिसाइल छोड़ने पड़े क्योंकि गत जुलाई में राष्ट्रपति मसूद पेशकिया के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए हमस के सीमावर्तार बाट ईरान ने इजराइल की राजधानी ह्यातेल अवीवह और धर्मस्थल यरूशलय के पश्चिम तथा अन्याय शहरों को करीब डेढ़ सौ मिसाइलों और ड्रोन का शीकर बनाया है। इसमें कुछ मिसाइलें लंबी दूरी की थीं, जिन्हें लक्ष्य तक से पहले ही अमेरिका के लड़ाकू विमानों और इजराइली आयरन डोम ने निष्क्रिय कर दिया। मिसाइलों से हमले के लिए

के 200 फीट नीचे बने सुरक्षित बंकर में ही मौत की नौद सुना दिया। इससे हिजबुल्ला, हमस सहित ईरान और खुमैनी द्वारा पोषित सभी आतंकवादी घबरा गए और उनमें भगदड़ मचने लगी। इन्हें रोके रखने के लिए ही ईरान ने इजरायल पर निशाना साध कर मिसाइलें दर्गा।

मॉडिया रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने भारतीय समयानुसार मंगलवार शाम को इजराइल के सेना मुख्यालय सहित तेल अवीव और यरूशलय को निशाना बनाते हुए दूसरी बार एक असाधारण कृत्य किया है। इससे पहले इजराइली सेना मंगलवार सुबह सुबह लेबनान के दक्षिण में अपने टैंकों और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ दलबल सहित घुस गई थी। उसने एक दिन पूर्व गाँव और बस्तियों को खाली करने की पहले चेतावनी दे दी थी। इस घटना पर मध्य पूर्व के इस्लामिक देशों में मातम पसरा हुआ है और जगह जगह से पलायन जारी है। बता दें, पिछली अप्रैल के बाद ईरान ने यह दूसरी

बार इजराइल पर मिसाइल से बड़ा हमला किया है। इस घटना पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने गहरी चिंता जताई है। बुधवार को सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लेबनान में भारी तबाही और हिजबुल्लाह के मुखिया हसन नस्रुल्लाह की हत्याकांड किये जाने पर इजराइल की कड़ी निंदा करते हुए तत्काल युद्ध विराम की माँग की है। चीन के प्रवक्ता ने भी इजरायली हमलों में हिजबुल्लाह के मुखिया साहित दर्जन कमांडरों को लक्ष्य भेदी मिसाइलों से मार गिराये जाने पर इजराइल की निंदा की है। इसी तरह नाटो के सदस्य तुर्की के राष्ट्रपति ने भी इजराइल की निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में इजराइल के खिलाफ प्रस्ताव पास किए जाने की माँग की है।

इजराइली प्रशासन का आरोप है कि पिछले वर्ष सात अक्टूबर से गाजा पट्टी के लड़ाकों के साथ-साथ लेबनान में हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने इजराइल के उत्तर में रॉकेट लांचर छोड़े हुए साठ हजार यहूदियों को घर-बेघर करने में का दुस्साहस किया, वर्तमान संघर्ष उसी का परिणाम है। अमेरिका पहले दिन से कहता आ रहा है कि इजराइल उसका मित्र देश है। उनकी सुरक्षा करना अमेरिका का दायित्व है। इजरायल ने भी कह दिया है कि ईरान ने यह अब तक की सबसे बड़ी भूल कर दी है और इसका खासियाजा उसे भुगतना पड़ेगा। साफ है कि इजरायल चुप बैठने वाला नहीं है। वह हमस और हिजबुल्ला के पूरी तरह से सफाए का अभियान चलाए हुए है। ऐसे में इजराइल ईरान के खिलाफ बदले में कार्रवाई करता है तो मध्य पूर्व के देशों में होने वाली तबाही का अनुमान लगाना मुश्किल होगा। और इसका प्रभाव सारे विश्व पर पड़ेगा।

ललित मोहन बंसल (लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भ्रष्टाचारियों की फाइलों पर धूल, दागी सरपंच-सचिवों को अभयदान

जिलाधिकारी के सख्त आदेशों के बावजूद भ्रष्टाचारियों की मौज

जनपद पंचायतों के जांच प्रतिवेदन पर कार्रवाई नहीं

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति लागू की है वहीं विकास खण्ड मछरहेटा की ग्राम पंचायत संडीला में विकास कार्यों में मनमाने तरीके से अनियमितता और अनुपयोगी कार्य कराके जहां सरकारी बजट को चूना लगाया जा रहा है, वहीं पंचायत प्रतिनिधि हर काम में कमाई के चक्कर में कायदे कानून को ताक पर रखकर कायदे कानून के पालन से बेपरवाह हैं। उन्हें ना तो जांच की चिंता है, ना ही अधिकारियों का डर। शिकायतकर्ता नरेश बाबा के अनुसार ग्राम पंचायत संडीला में 2009 में तालाब पर छः लाख साठ हजार रुपये खर्च किए गए पुनः 2011 में एक लाख रुपये मरम्मत के नाम पर निकाले गए पुनः 2023-24 में अमृत सरोवर के नाम पर पन्द्रह लाख अड़तिस हजार रुपये आवंटित किये गए



जिसमें से पांच लाख दस हजार रुपये के काम करावाये गए जबकि तालाब की हालत वैसे की वैसे ही है। उन्होंने वीडियो ग्राफी द्वारा उच्च जांच की मांग जिला प्रशासन से की है। इसके साथ ही साथ प्रधान मंत्री आवासों में जमकर धांधली की गई व भारी कमीशन के चक्कर में गरीब पात्रों को अपात्र किया गया। प्रधानमंत्री आवासों में अपात्रों को एक ही परिवार में कई आवास दिए गए यदि अभी तक के आवासों की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच की जाए, व पेंशन, पशुबाड़े, मनरेगा के कार्यों व कई ऐसे कार्य हैं जो सिर्फ कागजों पर हुए हैं, तो करोड़ों रूपयों का घोटाला उजागर होगा। इसके साथ साथ प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने सरकारी भूमि को भी माफियों के वंगुल से आजाद करवाने का कार्य किया जा रहा है सम्पूर्ण जिले में भी करोड़ों की जमीनें कब्जा मुक्त हुई हैं परन्तु आज भी शिकायतकर्ता के अपना कब्जा बरकरार रखा है। अब देखने वाली बात ये है प्रशासन अपना कार्य कैसे करता है यह तो आने वाला समय तय करेगा। क्या बोले विकासखण्ड अधिकारी मछरहेटा नवागम विकास खण्ड अधिकारी से शिकायतकर्ता की शिकायत के बारे में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि तत्कालीन अधिकारी द्वारा शिकायत का संचालन लिया गया होगा फिर भी शिकायत आयी है तो विधिक जांच करवा कर कार्यवाही की जाएगी।

एक दिन पूर्व हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र में मिले अज्ञात युवक के शव की पहचान नगर पालिका प्लंबर अमित के रूप में हुई

संस्कार उजाला

हापुड़/हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बुधवार की सुबह एक अज्ञात युवक का शव क्षेत्र में पड़ा मिलने की खबर से सनसनी फैल गई थी। जिसमें घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची हापुड़ नगर कोतवाली पुलिस में युवक केशव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त प्रयास शुरू किया था। जिसमें मृतक युवक की शिनाख्त पीड़ित परिवारों के द्वारा नगर पालिका प्लंबर अमित कुमार निवासी धीरखेड़ा थाना खरखोदा के रूप में हुई है।



अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवक की मौत एक गंभीर रूप से घायल

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 9 पर अल्लाह बक्शपुर टोल प्लाजा कट के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार युवक की हुई दर्दनाक मौत साथी हुआ गंभीर रूप से घायल। बता दें कि दो दोस्त आसिम पुत्र यामीन 18 वर्ष निवासी मुरादाबाद, मोहम्मद जुनेद पुत्र युनुस गांव ददियाल रामपुर, दोनों दोस्त दिल्ली में एक साथ नौकरी करते हैं। जोकि 3 अक्टूबर की सुबह स्कूटी से सवार होकर दिल्ली से मुरादाबाद जा रहे थे। जैसे ही गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे 9 पर टोल प्लाजा कट अल्लाह बक्शपुर के सामने पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने आसिम को मृत घोषित कर दिया। और जुनेद की हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया है।



मृतक आसिम की फाइल फोटो

सहकारी गन्ना विकास समिति के डेलीगेट चुनाव मतदान का मतदाताओं में दिखाई दिया उत्साह विकलांग/दिव्यांग वोटरों ने भी किया मतदान

संस्कार उजाला

अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभवाली सहकारी गन्ना विकास समिति के डेलीगेट चुनाव को लेकर मतदाताओं में मतदान करने को लेकर दिखाई दिया भारी उत्साह। यहां तक की बुद्ध विकलांग/दिव्यांग महिला एवं पुरुषों ने मतदेय स्थल पर पहुंचकर अपना वोट डाला। लेकिन प्रशासन के द्वारा बुद्ध विकलांग, दिव्यांग, व्यक्तियों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था मतदान केंद्र पर नजर नहीं आई। विकलांग बुद्ध लोगों गोद में उठाकर एवं पीठ पर लादकर प्रत्याशियों के समर्थकों ने करवा मतदान। बता दें कि सिंभवाली सहकारी गन्ना विकास समिति के चुनाव के डेलीगेट चुनाव के मतदान को लेकर सुबह 8-00 बजे मतदान प्रक्रिया शुरू की गई। मतदान प्रक्रिया प्रारंभ होते ही मतदान करने वाले मतदाताओं में मतदान करने को लेकर भारी उत्साह देखा गया। मतदान केंद्र पर मतदाताओं के उमड़ते जन सैलाब को देखकर ऐसा प्रतीत होने लगा जैसा की ग्राम प्रधान लोकसभा, विधानसभा चुनाव में मतदाता अपने मतदान का प्रयोग करने के लिए उत्साहित होते हैं। जबकि यह मात्र किसानों का चुनाव है। लेकिन प्रत्याशियों और उनके समर्थकों के द्वारा इस चुनाव को भी पार्टी सिंबल पर पहुंचा दिया गया है। यह मतदान प्रक्रिया 4-00 बजे तक जारी रहेगी। उसके उपरांत प्रशासनिक अधिकारियों की कड़ी देखरेख में मतदेय स्थल पर ही चुनाव प्रक्रिया में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी अधिकारीगणों के द्वारा मतगणना करके डेलीगेट प्रत्याशियों की हार जीत को लेकर भाग्य का फैसला सुनाया जाएगा।



रोडवेरज को लेकर ई रिक्शा ऑटो चालक भिड़े ई रिक्शा चालक ने ऑटो क्षतिग्रस्त कर चालक का फोड़ा सिर

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव भीवपुर में ई-रिक्शा और ऑटो चालक में साइड देने को लेकर कलहसुनी होने लगी। इससे पहले की ऑटो चालक कुछ समझ पाता ई-रिक्शा चालक ने ऑटो का शीशा क्षतिग्रस्त कर दिया। और ऑटो चालक के सिर में डंडा मार के उसे घायल कर दिया। ऑटो चालक और ई रिक्शा चालक में मारपीट होती देखा वहां से गुजर रहे। राहगीरों ने दोनों का कड़ी मशकत के चलते आपस में बीच बचाव कराया।



खण्ड विकास अधिकारी ने गोशाला में पहुंचकर गौवंश को विलाया फल



संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिले के विकास खण्ड कसमण्डा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत हमीरपुर में नंदन कान्हा गो आश्रय स्थल में खण्ड विकास अधिकारी कसमण्डा प्रशिक्षु आई ए एस नितिन सिंह के द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिन के शुभ अवसर पर गौवंशों को केला सेव, पीपता, लौकी, कद्दू सहित अन्य फलों को खिला कर भण्डारा किया। गौवंशों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो इसको लेकर केयर टेकरों को आदेशित किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सचिव संदीप रावत ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विद्याधर पाण्डेय सहित गोशाला के केयर टेकर व ग्रामीण मौजूद रहे।

सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान द्वारा नवरात्रि के प्रथम दिवस पर किया सामूहिक व्रत प्रसाद वितरण।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

पड़ोसी जनपद में स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन व सभापति, वित्तीय एवं प्रशां 0 विलम्ब समिति/सदस्य विधान परिषद पवन सिंह चौहान ने आज अपने आवास पर नवरात्रि के प्रथम दिवस नवरात्रि सामूहिक व्रत प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पर्यटन मंत्री जय वी सिंह, राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु, कोशल किशोर पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री, सांसद बृजलाल, चिन्मय मिशन लखनऊ के महंत कौशिक चैतन्य, पूर्व एडनिशनल कमिश्नर अशोक सिंह, टीसी एस जोनल हेड अजय सिंह, नीरज सिंह, भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता योगेश शुक्ल, विधायक बीकेटी, विजय बहादुर पाठक सदस्य विधान परिषद, संतोष



सिंह सदस्य विधान परिषद, संजय राय प्रदेश महामंत्री ज्ञान तिवारी सेउता विधायक लोक भारती राष्ट्रीय संगठन मंत्री बुजेंद्र, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर पवन सिंह चौहान एवं पीयूष सिंह चौहान ने आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर आगमन पर आभार प्रकट किया।

इस बार तृतीया को होंगे मां धूमावती के दर्शन।

नवरात्र के शनिवार को ही होते हैं मां के दर्शन। नैमिषारण्य के कालीपीठ में स्थित है मां का दरवार।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

देवी भक्तों को इस बार शारदीय नवरात्र की तृतीया को मां धूमावती के दर्शन करने का सौभाग्य मिलेगा। मां धूमावती के दर्शन नवरात्र के शनिवार को ही होते हैं। नवरात्र के शनिवार के अलावा अन्य दिनों में मां धूमावती का पूजन व पूजन नहीं किया जाता है। जिले में नैमिषारण्य स्थित कालीपीठ में मां धूमावती का दरवार स्थापित है। कालीपीठ मन्दिर के पीठाधीश्वर एवं ललिता देवी मन्दिर के प्रधान पुजारी गोपाल शर्मा ने बताया कि भक्तों के लिए कालीपीठ और मां धूमावती का दरवार शनिवार पांच अक्टूबर को खुला रहेगा। माता का श्रृंगार, दर्शन, पूजन, आरती, हवन आदि परंपरागुत्तर होंगे। उन्होंने बताया कि इस दिन की प्रतीक्षा सभी श्रद्धालुओं को रहती है। उन्होंने बताया कि इस महाविद्या उग्र देवी धूमावती देवी का स्वरूप विद्या का है। कोला इनका वाहन है, वह श्वेत वस्त्र धारण किए हुए हैं। खुले केश उनके रूप को और भी भयंकर बना देते हैं। संभवतः इसी कारण से इनका प्रतिदिन दर्शन करने की परम्परा नहीं है। उन्होंने बताया कि परंपरा है कि सुहागिनें मां धूमावती का पूजन नहीं करती हैं। वह केवल दूर से ही मां के दर्शन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि मां धूमावती के दर्शन से ही सुहागिनें का सुहाग अमर हो जाता है। पुत्र और पति की रक्षा के लिए इनके दर्शन अवश्य करने चाहिए। उन्होंने बताया कि मां धूमावती का ये स्वरूप श्री पीतांबर पीठ पीटा (मध्य प्रदेश) या फिर नैमिषारण्य के कालीपीठ संस्थान में ही है।



मां धूमावती के दर्शन मां धूमावती के दर्शन करने से ही सुहागिनें का सुहाग अमर हो जाता है। पुत्र और पति की रक्षा के लिए इनके दर्शन अवश्य करने चाहिए। उन्होंने बताया कि मां धूमावती का ये स्वरूप श्री पीतांबर पीठ पीटा (मध्य प्रदेश) या फिर नैमिषारण्य के कालीपीठ संस्थान में ही है।

निःशुल्क बीज वितरण में हो रही धांधली का किसानों ने लगाया आरोप।

बीज वितरण केन्द्र रानी बाग की किसानों ने डीएम को फोन कर की शिकायत।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिले के विकास खण्ड कसमण्डा की ग्राम पंचायत सरोरा कला के किसानों ने निःशुल्क बीज वितरण में हो रही धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि धांधली से किसान हलकान हैं। किसान रोजाना बीज वितरण केन्द्र रानी बाग कमलापुर के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें बीज नसीब नहीं हो पा रहा है। किसान फसल बीज के चक्कर लगाकर थक गए लेकिन बीज नहीं मिला। सरोरा खुर्द निवासी मोहोहर लाल का कहना है कि बीज वितरण केन्द्र पर बीज लेने से पहले उन्हें पहचान पत्र पर पर कहा जाता है कि सबसे पहले खेराबाद जाकर आधार रजिस्टर्ड कराएँ उसके बाद वापस आएं। अक्सर आधार रजिस्टर्ड करने के बाद जब बीज वितरण केंद्र पर वापस आया जाता है तो वहां से यह कहा जाता है कि बीज समाप्त हो गया है यह कह कर वापस कर दिया जाता है। शिवशंकर, सलीम, प्रमोद बनवारी लाल, कमलेश कुमार, रामनाथ, खैलू समेत कई किसानों ने आए दिन धांधली का आरोप लगाया है वहीं ग्राम पंचायत सरोरा कला के किसान चन्द्रशेखर ने इसकी शिकायत फोन से जिला अधिकारी अभिषेक आनंद से की। शिकायत मिलने के बाद जिला अधिकारी ने मामले की जांच कर कार्यवाही करने की बात कही।



सुंदर लाल स्मारक विद्यालय की छात्रा का हुआ नवोदय विद्यालय में चयन, विद्यालय परिवार ने टी शुककामनाएं।



संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिले के हरगांव विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत एक बहुचर्चित विद्यालय की छात्रा का चयन नवोदय विद्यालय में हो गया। चयनित छात्रा कु. अनुज्ञा को विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र कुमार मिश्र सिम्भू व प्रधानाचार्य राधेशंकर मिश्र ने संयुक्त रूप से उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए देर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

विद्यालय पं. सुन्दर लाल स्मारक विद्यालय की छात्रा कु. अनुज्ञा पुत्री कमलेश कुमार निवासी घूरखेरा तिहार का चयन नवोदय विद्यालय के लिए हो गया। चयनित छात्रा कु. अनुज्ञा को विद्यालय के प्रबंधक राजेन्द्र कुमार मिश्र सिम्भू व प्रधानाचार्य राधेशंकर मिश्र ने संयुक्त रूप से उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए देर सारी शुभकामनाएं दी हैं।

डॉ राजेंद्र सिंह औलख ने सिंभवाली सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रतिनिधि पद पर लहराया जीत का परचम



संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तीनों सहकारी गन्ना विकास समितियों में सबसे महत्वपूर्ण माने जाने वाली सिंभवाली सहकारी गन्ना विकास समिति में डेलीगेट चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में रस्सा कसी के दौर के चलते मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। और क्षेत्र के जाने पहचाने हर दिल

अजीज सरदार डॉक्टर राजेंद्र सिंह औलख के द्वारा सिंभवाली सहकारी गन्ना विकास समिति के प्रतिनिधि पद पर जीत का परचम लहराने के साथ उन्होंने सभी क्षेत्र वासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनकी जीत नहीं क्षेत्र के सभी किसान भाइयों की जीत है। और किसने की लड़ाई लड़ने के लिए अग्रणीय रहेंगे।

विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा सराय गांव

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण अंचलों में निवास करने वाले छात्र- छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के लिए शासन की मंशा है कि उन्हें पर्याप्त सुविधाएं मिलें एवं गांव से शहर जोड़ने के लिए उन्हें आवागमन के साधन मिलें। वहीं विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय तक अपने घरों से पैदल आने जाने में कोई परेशानी नहीं हो, लेकिन विकास खण्ड कसमण्डा की ग्राम पंचायत रेवरी के गांव खेरवा के ग्रामीण वर्षों से सड़क की मांग कर रहे हैं। लेकिन इस गांव के साथ हमेशा सीतेला व्यवहार किया गया। जिसके कारण इस गांव की सुख किसी ने नहीं ली। गांव के निवासी छात्र पंकज यादव ने बताया कि बारिश के दिनों में यह मार्ग कीचड़ से लबाबल होने के कारण इस सड़क से होकर गुजरना लगभग नामुमकिन हो जाता है। इस दौरान न केवल गांव में आवागमन ठप हो जाता है बल्कि बच्चों की शिक्षा भी प्रभावित होती है। खराब सड़क के कारण वर्षों के दिनों में बच्चों का स्कूल जाना-आना रुक जाता है खेरवा गांव निवासी राजाराम ने बताया कि खेरवा से होकर के सराय गांव से गुजर मार्ग काफी क्षतिग्रस्त और उसकी स्थिति बहुत ही दयनीय बनी हुई है इस मार्ग का कोई पुरुषाहाल नहीं है। ग्राम पंचायत में चुनावी चुड़कियों के बीच ग्राम पंचायत की जनता विकास कार्य का मुँह ताक रही है फिर भी विकास कार्य ग्राम पंचायत में नहीं हो पा रहे हैं जिससे ग्रामीणों को आवाग मन में काफी समस्या बनी हुई है यह मार्ग कई गांवों को जोड़ता है टिडुरा पहाड़पुर महानंदपुरवा भागपुर आदि गांव के ग्रामीण सिधौली के लिए सफर इसी मार्ग को सुगम मानते हैं।



योगी सरकार के फैसले के खिलाफ नारेबाजी करने वाले झोलाछाप डॉक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया



संस्कार उजाला

हापुड़/उत्तर प्रदेश में शहरी एवं ग्रामीण आवास क्षेत्रों में जनता जनार्दन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने के साथ बगैर रजिस्ट्रेशन क्लीनिक संचालित करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध योगी सरकार के द्वारा उठाए गए कदम के विरोध में झोलाछाप डॉक्टरों ने तहसील चौराहे पर नारेबाजी करते हुए धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। और योगी सरकार के द्वारा दिए गए फैसले को वापस लेने के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने इन्हें समझाने का प्रयास किया। लेकिन इन झोलाछाप डॉक्टरों के द्वारा पुलिस कर्मियों एवं आला अधिकारियों के साथ धक्का मुक्की और हाथापाई की गई। जिसको लेकर पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर को हिरासत में लेकर झोलाछाप डॉक्टरों पर विधिक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

संक्षिप्त डायरी

विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार किसी भी हाल में नहीं किया जाएगा बर्दाश्त/एमडी ईशा दुहन

संस्कार उजाला

हापुड़/मेरठ बिजली विभाग की एमडी ईशा दुहन के द्वारा भ्रष्टाचार में लिप्त पांच कर्मचारियों पर की गई कार्यवाही को लेकर पश्चिमांचल विद्युत विभाग में हड़-कंप मचा हुआ है। बता दें कि विद्युत विभाग मेरठ एमडी ईशा दुहन के द्वारा विभागीय अधिकारियों पर कार्यों में लापरवाही बरतने और भ्रष्टाचार की शिकायतों में लिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों पर निलंबन की कार्यवाही करने से मेरठ परिक्षेत्र के विद्युत अधिकारियों में अफरा तफरी मची हुई है। विद्युत विभाग मेरठ एमडी ईशा दुहन की कार्यवाही के कोषभाजन का कौन-कौन अधिकारी हुए शिकार एमडी महोदया की इस कार्यवाही का एक अधीक्षण अभियंता, एक एसडीओ, दो अवर अभियंता एवं एक एसई सीए पर कार्यवाही चाबुक चलाया गया है। मेरठ एमडी ईशा दुहन के द्वारा लापरवाह एवं भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ यह पहली बड़ी कार्यवाही की है। जिसमें हापुड़ में ऊर्जा निगम के पांच अधिकारियों को संस्पेंड किया है। जिनमें हापुड़ के एसई, सीए संजीव आनंद, एसडीओ थर्ड देवेन्द्र यादव, और दो जेई सहित 5 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता अवंनीश को भी संस्पेंड किया गया है। इनमें संजीव आनंद शिविर सहायक द्वितीय, अंतर्गत विद्युत वितरण मंडल-हापुड़ को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य नहीं करते हुए अपने आधारित पद के अनुरूप कर्तव्य एवं दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरतने का दोषी पाया है। जिसके कारण संजीव आनंद को जीवन निर्वाह भता आदि का भुगतान तब तक नहीं किया जाएगा। जब तक की वह आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करते कि वह किसी अन्य सेवायोजन, व्यापार, वृद्धि या व्यवसाय में नहीं लगे हैं। एसडीओ थर्ड देवेन्द्र यादव के द्वारा अपने भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने को लेकर खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार के खिलाफ कराई गई थी। 45 प्राथमिकी दर्ज विदित रहे कि हापुड़ के पत्रकार मोनु मसूदी ने बिजली विभाग में फेले भ्रष्टाचार को लेकर काफी लम्बी लड़ाई लड़ी थी। जिससे परेशान एसडीओ थर्ड देवेन्द्र यादव ने विभाग के कर्मचारियों को भड़काकर खबर प्रकाशित करने वाले मोनु मसूदी पत्रकार के खिलाफ 45 से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। वहीं इस कार्यवाही को लेकर विद्युत एमडी ईशा दुहन का कहना है कि विद्युत विभाग में भ्रष्टाचार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सत्कारवाही की जाएगी।



योगी सरकार के आदेश स्वास्थ्य विभाग की नजरों में बौने सावित्र दो दिन पूर्व बगैर रजिस्ट्रेशन संचालित दो विलिनिकों पर लाई सील आखिर किसके आदेश पर खोली गई

संस्कार उजाला

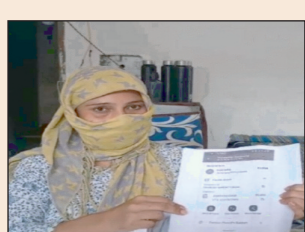
भूपेंद्र वर्मा हापुड़/उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के द्वारा उत्तर प्रदेश में बगैर रजिस्ट्रेशन क्लीनिक संचालित करने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के विलिनिकों पर सील लगाने के साथ रिपोर्ट दर्ज कराकर सीधे जेल भेजने के आदेशों का पालन करना सीखे तो कोई हापुड़ स्वास्थ्य विभाग से। जिसका एक अजीबो गरीब नया कारनामा सामने आया। जिसमें उत्तर प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के आदेशों का पालन करते हुए बगैर रजिस्ट्रेशन संचालित विलिनिकों को सील करने की कार्यवाही भी गई। और एक दिन बाद सील को खोल दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के इस नजारे को देखकर यहां पर यह कहावत चरितार्थ होती है कि सैया भाई कोतवाल तो डर काहे का। विदित रहे कि हापुड़ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा बहादुरगढ़ क्षेत्र में बगैर रजिस्ट्रेशन संचालित होने वाले दो क्लीनिक रेनु क्लीनिक एंड नर्सिंग होम, आस्था क्लीनिक को 2 दिन पूर्व सूबे के मुखिया आदित्यनाथ योगी के आदेश अनुपालन में सीएमओ डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी के निर्देशन में दोनो क्लीनिक पर गढ़मुक्तेश्वर एसीएमओ दिनेश भारती के द्वारा सीलिंग करने की कार्यवाही की गई थी। लेकिन एक दिन बाद ही रेनु क्लीनिक पर लगाई गई सील को खोल दिया गया है। जोकि हापुड़ स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सीलिंग की कार्यवाही करना और एक दिन बाद सील किए गए विलिनिक को खोल देना क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा का विषय बना हुआ है। सूचों की माने तो स्वास्थ्य विभाग टीम के द्वारा जब दोनो विलिनिकों पर सीलिंग करने की कार्यवाही की जा रही थी। तो तभी यह आवाज आनी शुरू हो गई थी कि 24 घंटे नहीं लगे ही सील खुल जाएगी। और वहीं सब हुआ। जिसको लेकर कोई इससे सत्ता पक्ष की हनक बता रहा है। तो कोई ऐसे को खनक बता रहा है। वहीं इस मामले को लेकर जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार त्यागी का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किसी भी क्लीनिक पर लगाई गई सील को नहीं खोला गया है। यदि सील किए गए विलिनिक की सील तोड़ी गई है तो क्लीनिक का संचालन करने वाले के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया जाएगा।



पीड़ित पत्नी ने उमराह करने गए पति पर विदेश भेजने के नाम पर टगी करने जैसे गंभीर आरोपों को बताया निराधार झूठ

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभवाली थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने विदेश भेजने के नाम पर टगी करने जैसे गंभीर आरोप उसके पति पर लगाने को लेकर सभी आरोपी को निराधार बताते हुए निष्पक्ष जांच करा कर उचित कार्यवाही करने को लेकर प्रशासन के आला अधिकारियों से शिकायत करने की बात कही है। बता दें कि सिंभवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मुरादपुर निवासी शाहनवाज पत्नी सारा हाल पता हसपुर मोड न्यू कॉलोनी ने बताया कि उसका पति शाहनवाज उमराह करने के लिए गया हुआ है। जिसके चलते कुछ लोग विदेश भेजने वाले फोटों से साथ गोट कर उसके पति शाहनवाज पर विदेश भेजने के नाम पर टगी करने जैसे अनाप-शानाप आरोप लगाकर उसे डरा धमका कर रुपए वसूलने की फिराक में लगे हुए हैं। जबकि उसके पति के द्वारा गांव के रहने वाले अशरफ अनस को दुबई भेजा गया था। जहां उनका मन ना लगने के चलते वह वापस आ गए। और उसके पति शाहनवाज ने अशरफ के पिता को ₹60000 बतौर वापस कर दिए हैं। जिसके उसके पास पुख्ता पविडेन भी है। लेकिन फिर भी कुछ लोग उसके पति की गैर मौजूदगी में उसके ऊपर अनावश्यक दवा बन रहे हैं। जिसको लेकर पीड़िता सारा का कहना है कि उसके पति के द्वारा विदेश भेजने के नाम पर किसी के साथ भी टगी नहीं की गई है। उसके ऊपर लगाए जा रहे सभी आरोप में बुनियाद निराधार है।



संक्षिप्त डायरी

दूरदर्शन पर सोनभद्र की जनजातीय संस्कृति, सभ्यता, लोककला पर परिचर्चा का प्रसारण 4 अक्टूबर को

संस्कार उजाला

क्राइम ब्यूरो विकास कुमार हलचल

सोनभद्र। आजादी के 76 वर्ष व्यतीत होने के बाद भी सोनभद्र में निवास करने वाली जनजातियों की प्राचीन संस्कृति, सभ्यता एवं लोककला विद्वानों के लिए शोध का विषय बनी हुई है। भारतवर्ष का एकमात्र अनूठा जनपद यथा बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जनजाति बाहुल्य राज्यों की भौगोलिक राजनीतिक सीमाओं से घिरा सोनभद्र जनपद आदिवाली से जनजातिय संस्कृति, साहित्य, कला की उर्वरा भूमि रही है। विद्याचल पर्वत पर अवस्थित अदिकालीन सोनभद्र जनपद में निवास करने वाली विभिन्न जातियों की सभ्यता, संस्कृति, लोककला पर वाराणसी दूरदर्शन केंद्र द्वारा निर्मित इतिहासकार, आदिवासी संस्कृति, समाज, वाचिक साहित्य के विशेषज्ञ, विद्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी के इंटरव्यू का प्रसारण लखनऊ दूरदर्शन केंद्र द्वारा 4 अक्टूबर, दिन-शुक्रवार, रात्रि 10:00 बजे डीडी यूपी चैनल पर प्रसारित होगा। ज्ञातव्य हो कि वाराणसी दूरदर्शन केंद्र द्वारा सोनभद्र के पर्यटन स्थल, स्वाधीनता आंदोलन, जनजातीय संस्कृति पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण एवं प्रसारण कर चुकी है।

05 पिकअप से 16 राशि गोवंश किया गया बरामद, मौके से 06 नफर अभियुक्तगण गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा चलाये जा रहे गोवध/पशुक्रूरता निवारण अधिनियम अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सोनभद्र के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी ओबरा के नेतृत्व में दिनांक 02.10.2024 को समय 22.30 बजे थाना कोन पुलिस द्वारा सदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान रोगही चौराहा, थाना कोन से 05 अदक पिकअप में लदे कुल 16 राशि गोवंश बरामद किया गया तथा मौके से 06 नफर अभियुक्तगणों को गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना कोन पर मु0अ0सं0-110/2024 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित एक नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

क्राइम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

बरकोनिया/सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध/अपराधियों पर अकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मांवी पुलिस टीम द्वारा थाना मांवी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 57/2024 धारा 115(2), 352, 351(2), 324(2), 333, 64(1) बी.एन.एन. से सम्बन्धित प्रकरण में वांछित अभियुक्त मनीष पुत्र रामसिंह/हसन घोषी निवासी ग्राम धर्मदासपुर थाना रामपुर बरकोनिया जनपद सोनभद्र को ग्राम धर्मदासपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

न्याय पंचायत में आयोजित ग्राम चौपाल में सुनी गई जन समस्याएं



संस्कार उजाला

शाहजहांपुर/ जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के निदेशों के क्रम में न्याय पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें लोगों की समस्याएं सुनी गईं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, कानून एवं शांति व्यवस्था एवं जनकल्याण के दृष्टिगत विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्राम चौपाल का उद्देश्य है कि योजनाओं से जन-जन को जागरूक करने तथा पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाना है। जनपद के प्रत्येक ग्राम में सभी कार्यक्रमों/योजनाओं का कुशल क्रियान्वयन तथा उसका लाभ पात्र व्यक्तियों को मिले। न्याय पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन सांयकाल 04.00 बजे से 6:00 बजे तक किया गया। ग्राम चौपाल में राजस्व कार्यों, ग्राम में संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, कानून एवं शांति-व्यवस्था के संबंध में ग्रामवासियों से जानकारी ली गई। ग्राम चौपाल में लोगों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, राशन, शुद्ध पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा, मिशन शक्ति, नारी सशक्तिकरण, रोजगार, कौशल विकास, साफ-सफाई, जल निकासी, नाली, सड़क, खड़पजा, सी०सी०रोड एवं अन्य निर्माण कार्य इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। जन-कल्याणकारी योजनाओं पेंशन, राशन, आवास, शौचालय एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं आदि का घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। ग्राम चौपाल में प्राप्त प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा।

न्याय पंचायत में आयोजित ग्राम चौपाल में सुनी गई जन समस्याएं

संस्कार उजाला

शाहजहांपुर/ जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के निदेशों के क्रम में न्याय पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें लोगों की समस्याएं सुनी गईं। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, कानून एवं शांति व्यवस्था एवं जनकल्याण के दृष्टिगत विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ग्राम चौपाल का उद्देश्य है कि योजनाओं से जन-जन को जागरूक करने तथा पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाना है। जनपद के प्रत्येक ग्राम में सभी कार्यक्रमों/ योजनाओं का कुशल क्रियान्वयन तथा उसका लाभ पात्र व्यक्तियों को



मिलें। न्याय पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन सांयकाल 04.00 बजे से 6:00 बजे तक किया गया। ग्राम चौपाल में राजस्व कार्यों, ग्राम में संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, कानून एवं शांति-व्यवस्था के संबंध में ग्रामवासियों से जानकारी ली

गई। ग्राम चौपाल में लोगों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, राशन, शुद्ध पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा, मिशन शक्ति, नारी सशक्तिकरण, रोजगार, कौशल विकास, साफ-सफाई, जल निकासी, नाली, सड़क, खड़पजा, सी०सी०रोड एवं अन्य निर्माण कार्य इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। जन-कल्याणकारी योजनाओं पेंशन, राशन, आवास, शौचालय एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं आदि का घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। ग्राम चौपाल में प्राप्त प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा।

श्री राम कथा हुई प्रारंभ -ओबरा नगरी हुई राममय

संस्कार उजाला

क्राइम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

ओबरा सोनभद्र। - ओबरा थाना कस्बा स्थित आरती चित्र मंदिर प्रांगण में भव्य श्री राम कथा का हुआ शुभारंभ। इस कार्यक्रम की शुरुआत आयोजक व मुख्य यजमान देवेंद्र केसरी जी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। वहीं इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय कथावाक राजन जी महाराज का भव्य पुष्प वर्षा और ढोल नगाड़े के के साथ आरती चित्र मंदिर प्रांगण में भव्य अभिवादन किया गया। श्री राम कथा आयोजन शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस दिन गुरुवार को आरती चित्र मंदिर प्रांगण में प्रख्यात श्री राम कथा वाक राजन जी महाराज के मुखारविंद से प्रारंभ हुआ। उन्होंने एक प्रसंग में कहा, भगवान श्री राम की कथा इस घरा धाम पर सिर्फ रात्रि लोग ही गाए। पहली कथा भगवान शंकर ने माता पार्वती को सुनाया जिसका नाम ज्ञान धार कहते हैं। दूसरी उपासना घाट वहां काग भूसुडी ने गरुड़ जी को सुनाया, तीसरी घाट धानक में घाट जो प्रयागराज में ज्ञानवली जी ने भारद्वाज ऋषि को सुनाया। और अंतरिम कथा गोस्वामी तुलसीदास जी ने सभी जीव मात्र के लिए अस्सी घाट पर कहा जिसे देखात कहते हैं। वहीं आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए सेवार्थ भाव से विभिन्न व्यवस्थाएं कथा के पूरे 9 दिन संचालित करने की व्यवस्था की गई है।



कथा का आनंद श्री महाराज के अमृत वक्तों को सुनकर भाव विभोर दिखाई दिए। वहीं महाराज जी ने नगर की धरती एवं लोगों को प्रणाम करते हुए कथा को विस्तार पूर्वक सुनाते हुए 9 दिन तक लोगों तक अपनी समानता परंपरा एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जोड़ने को लेकर प्रेरित किया। कल की कथा भगवान शंकर व माता पार्वती के विवाह पर होगी वहीं कथा स्थल पर श्री राम कथा समिति के सभी पदाधिकारी / सदस्य व श्री राम कथा श्रवण करने वाले ओबरा के समस्त भक्तगण भी उपस्थित रहे।

मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकथाम हेतु चलाया गया विशेषज्ञ जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान।

संस्कार उजाला

क्राइम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

डाला/सोनभद्र।थाना मानव तस्करी रोधी इकाई जिला बाल संरक्षण इकाई व वन स्टॉप सेंटर के संयुक्त टीम द्वारा थाना चोपन अन्तर्गत डाला वैष्णो माता मंदिर,कस्बा सहित विभिन्न स्थानों पर मानव तस्करी एवं बाल भिक्षा वृत्ति रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू शोषमणि दुबे द्वारा बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, मानव तस्करी के रोकथाम हेतु विशेष जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है साथ ही ब्लाक बाल



कल्याण एवं संरक्षण समिति व ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के समन्वय से येसे नाबालिग बच्चों का डाटा/विवरण तैयार कराया जा रहा है जो बाल भिक्षावृत्ति, बाल श्रम, बाल तस्करी या बंधुआ मजदूरी में संलिप्त है या बनाये गये है

जिसके सम्बन्ध में नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए नाबालिग बच्चों का परिवार में पुनर्वासन कराया जा सके साथ ही सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके। केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह द्वारा बताया गया कि महिलाओं एवं बच्चों के सुरक्षा एवं संरक्षण से सम्बंधित सूचना तत्काल चाइल्ड लाईन टोल फ्री नम्बर (1098) या महिला हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 181,112 सूचित कर सकते हैं। प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव द्वारा मौकेपर उपस्थित लोगों से भिक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु जन-जागरूकता पैदा करना तथा जन सामान्य को भीख देने से रोकने हम सबकी जिम्मेदारी है। रेस्क्यू टीम में वन स्टॉप सेंटर से केन्द्र प्रशासक दीपिका सिंह, जिला बाल संरक्षण इकाई से ओ डब्ल्यू शोषमणि दुबे, थाना मानव तस्करी रोधी इकाई से प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव एवं आरक्षी पंकज कुमार रहे।

संत तुलसी पब्लिक स्कूल के नये भवन की हुई शानदार शुरुआत

संस्कार उजाला

बांदा में गुरुवा 03 अक्टूबर 2024 को नवरात्र के पावन पर्व पर संत तुलसी पब्लिक स्कूल की शाखा 'सिटी ब्रांच बलखण्डीनाका तुलसी मन्दिर के पास का शुभारम्भ फीता काटकर विद्यालय की अध्यक्ष मीना गुप्ता व प्रबन्धक संत कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। नवरात्र के प्रथम दिन हवन-पूजन के साथ कन्या भोज भी कराया गया। विद्यालय के प्रबन्धक संत कुमार गुप्ता ने बताया कि अभी तक सिटी ब्रांच कोतवाली रोड महेशवरी देवी मन्दिर के पास चल रही थी जिसको अब विद्यालय के नये परिसर कुमार कामलेख बलखण्डीनाका स्थित तुलसी मन्दिर के पास स्थापित किया गया है। कार्यकारी प्रबन्धक डॉ० मनीष कुमार गुप्ता ने बताया कि यहां पर पी०जी० से लेकर यू०के०जी० तक के बच्चों को शिक्षा दी जाती है। नवरात्र के अवसर पर 6 माह का कोर्स कराकर बच्चों का प्रवेश लिया जा रहा है। जहां पर अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश करा सकते हैं। विद्यालय की अध्यक्ष मीना गुप्ता ने बताया कि छोटें बच्चों के पढ़न-पढ़न से लेकर मोनोरजन व खेल-कूद की सभी व्यवस्था इस ब्रांच में की गयी है। जहां पर बच्चों को भारतीय



संस्कृति पर आधारित अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दी जाती है। इस अवसर पर प्रबन्धक समिति के सदस्य अमित कुमार गुप्ता, सोदायिनी गुप्ता, दीपिका गुप्ता, प्रधानाचार्या रीना ओमर, उप प्रधानाचार्या

डा० रिंकू सिंह, इंचार्ज कोमूदी सिन्हा, सरोज गुप्ता आदि मौजूद रहे। अंत में विद्यालय के डायरेक्टर जगनायक यादव ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

जीआरपी पुलिस ने चोरी के वारण्टी अभियुक्त को भेजा न्यायालय

संस्कार उजाला

पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग झांसी विपुल कुमार श्रीवास्तव के द्वारा टडह/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में एवं पुलिस उपाधीक्षक रेलवे अनुभाग झांसी नईम खान मंसूरी के पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक नवेन्दु शेखर अग्निहोत्री द्वारा गठित टीम उ०नि० शोरे आलम खां मय हमराह का० कामता सिंह थाना जीआरपी बांदा के द्वारा गुरुवार 03 अक्टूबर 2024



को एक नफर वारण्टी अभियुक्त विपिन दुबे पुत्र प्रमोद दुबे निवासी जरेली

कोठी थाना कोतवाली नगर जनपद बांदा को माननीय न्यायालय एसीजेएम रेलवे

अमावस्या पर किया गया भंडारे का आयोजन



संस्कार उजाला

पुष्या (बित्तीनी) क्षेत्र के गव बित्तीनी स्थित श्री वरमदेव बाबा स्थान पर श्री शिव शक्ति सेवा समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्री शिव शक्ति सेवा समिति के कार्यकर्ता ने बताया कि हम सभी श्री शिव शक्ति सेवा समिति के कार्यकर्ता माह की प्रत्येक अमावस्या पर अपने गांव बित्तीनी में स्थित श्री वरमदेव बाबा स्थान पर विशाल भंडारे का आयोजन करते हैं। इस मौके पर एड.रहनु मिश्रा,मुकेश पांडे, सुकेश कुमार,रवि सिंह सूर्यवंशी लालाराम राठी, चिरोलीवाल,अद्वीयेश कुमार, नीरज कुमार,रामकेवल,सत्यपाल मोहं,सर्वेश सबसेना, मुन्नालाल,अर्जुन तिवारी, सहित काफी लोग मौजूद रहे।

नवरात्रि में जिले के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़।



संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता। सोनभद्र। गुरुवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गई है। इस दौरान मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की पूजा की जाती है। पूरे देश के साथ जिले में भी शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना के साथ विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा अर्चना की गई। पहले दिन देवी मां के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जा रही है। इस दौरान पूरे जिले के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। प्रसिद्ध शक्तिपीठ धाम मां वैष्णो देवी मंदिर कमेटी नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं द्वारा मां के चरणों में प्रसाद चुनरी चढ़ाकर मन्तने मांगी गई। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारे से गुंजाता रहा। मंदिर परिसर के पास की सभी दुकानें दुल्हन की तरह सजी दिखाई। चोपन स्थित दुर्गा मंदिर में भी नवरात्रि के पहले शुभ दिन श्रद्धालुओं की काफी भीड़ देखी गई। पुजारी से लेकर मंदिर कमेटी पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के शुलभ व्यवस्था की देखरेख करते नजर आये। वहीं ओबरा के प्रसिद्ध सीतला मंदिर और शारदा मंदिर में भी महिला श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। इस दौरान महिला भक्तों द्वारा देवी मां की भजन गीत गाना गया गया। पूरा स्थल भक्तिमय नजर आया। शक्तिनगर स्थित मां ज्वाला देवी शक्तिपीठ धाम पर ज्वालामुखी माता के भक्तों ने मंदिर में लाइन लगाकर श्रद्धालु मां की एक झलक पाने के लिए इंतजार में व्याकुल दिखे और मां का दर्शन करने के साथ बड़ी सिद्धत के साथ माथा टेककर आशीर्वाद लिया। पौराणिक कथा के अनुसार इस स्थान पर मां सती के जिह्वा का अग्र भाग कट कर गिर गया था, ज्वालामुखी मंदिर में कई सालों से जल रही अखंड ज्योति भी श्रद्धा का केंद्र बनी है। नवरात्रि की शुरुआत दिनों में रोजाना भोर से ही भक्तों का भीड़ भाड़ बहुत ज्यादा संख्या में इकट्ठा होता है वहां पर भक्तों बहुत सिद्धार्थ के साथ माथा टेक कर मनोकामना मांगते हैं। नवरात्रि की तैयारी काफी पहले से मंदिरों में की जा रही थी। हर तरफ साफ-सफाई को लेकर विशेष ध्यान दिया गया। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए बैरिकेड्स के साथ-साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखे। मंदिरों को झालर और फूलों से सजाया गया। हाथ धोने की पानी के साथ शुद्ध जल की भी व्यवस्था देखने को मिली।

वैदिक यज्ञ और वृक्षारोपण की सभ्यता ही हमारी सनातन संस्कृति है। रविन्द्र आर्य

जन्मदिन पर केक काटना और पाश्चात्य संस्कृति अपनाना भारतीयों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण

संस्कार उजाला
रविन्द्र आर्य
गाजियाबाद: पितृ अमावस्या पर आर्य समाज मंदिर चंद्रपुरी में योग क्षेम संस्थान के संस्थापक राकेश शर्मा के जन्मदिवस पर भव्य यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया और वृक्षारोपण किया गया। वहां राकेश शर्मा ने बताया कि वह पिछले 25 वर्षों से मलिन बस्तियों में सेवा भारती के आर्य समाज द्वारा संचालित दयानंद बाल विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों के बीच अपना जन्मदिवस मनाते आ रहे हैं और उन्हें अपने सच्चे सनातन वैदिक धर्म के बारे में प्रेरित करते आ रहे हैं। और जन्मदिवस पर केक काटने की पाश्चात्य संस्कृति का पूर्ण विरोध करते हुए वैदिक यज्ञ करके बच्चों को सनातन वैदिक धर्म का महत्व बता रहे हैं, जिसमें पोते श्रेय शर्मा ने आर्य समाज के प्रांगण में अर्जुन का वृक्ष लगाकर अपने दादा का जन्मदिवस मनाया और समाज को यह संदेश भी दिया कि जन्मदिवस



पर केक काटना और पाश्चात्य संस्कृति अपनाना भारतीयों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। राकेश शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर बच्चों ने भजन व बधाई गीत गाकर शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन पर उपस्थित बच्चों सहित सभी ने प्रसाद व भोजन ग्रहण किया तथा देशभक्ति के नारों के साथ समारोह का समापन हुआ। वैदिक यज्ञ पुरोहित राजकुमार शास्त्री ने राकेश शर्मा के जन्मदिन पर यज्ञ सम्पन्न कराया। यज्ञ में प्रधान

राजेंद्र अग्रवाल के अलावा आर्य समाज के मंत्री अश्विनी बत्रा, आर्य समाज के संरक्षक अनिल गुप्ता, अरुण शर्मा, भवान सिंह, अभिताभ कवर, सुनील वाण्यो, रोशन लाल शर्मा, सुनील गर्ग, राकेश गुप्ता, मनमोहन, चौधरी नीतू सिंह, नीरा वाण्यो, मंजू गुप्ता, पलक गर्ग, नरेंद्र आर्य, रविंद्र आर्य, लक्ष्मी शंकर, अरुण शर्मा, राकेश गोयल सहित शहर के अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। लेखक रविंद्र आर्य 9953510133

गैंगेस्टर एक्ट में एफ आई आर व गैंग चार्ट निरस्त -हाइकोर्ट

संस्कार उजाला

गोरखपुर : गोरखपुर जिले का चर्चित प्रकरण याची हेमवती पटेल निवासी देवरिया के खिलाफ जिला गोरखपुर थाना चिलवाताल के अंतर्गत गैंगस्टर एक्ट में हुई एफ आई आर को हाई कोर्ट में चुनौती दिया। याची की ओर से अधिवक्ता सुनील चौधरी ने माननीय न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला व अरुण कुमार सिंह देशवाल के समक्ष



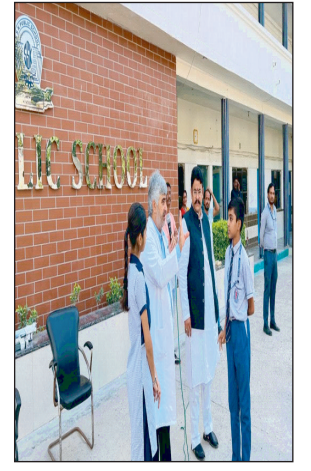
बहस में बताया कि याची विरुद्ध तीन झूठे केस दर्ज कराए गए थे जिसमें वह जमानत पर है याची के ऊपर गैंगस्टर एक्ट में की गई कार्रवाई नियम विरुद्ध की गई है जिलाधिकारी के द्वारा जॉइंट मीटिंग कर गैंगस्टर चार्ट नहीं तैयार किया गया जिस पर कोर्ट ने जिलाधिकारी गोरखपुर से जवाब तलब किया था जिलाधिकारी के द्वारा फर्जी मीटिंग दिखाकर गैंगस्टर की कार्यवाही किये जाने व मीटिंग रजिस्टर उपलब्ध न होने पर हाइकोर्ट ने फटकार लगाई और कहा पूर्व में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर डी जी पी व राज्य सरकार ने भी

सर्कुलर जारी किया था निमानुसार गैंगस्टर एक्ट के तहत चार्ट बनाया जाए और कार्यवाही की जाए। जिस पर हाइकोर्ट ने गैंगस्टर में दर्ज एफ आई आर व गैंग चार्ट रद्द कर दिया हेमवती पटेल, विकास सिन्हा, रेखा, गीता व एक अन्य के विरुद्ध रेप, पाँचसो व लोपो ठगी के झूठे केस दर्ज कराने व सहयोग करने का आरोप में गैंगस्टर में दर्ज एफ आई आर निरस्त कर दी गई वर्तमान समय में तथाकथित गैंग का सरगना विकास सिन्हा व उसकी मित्र रेखा सिंह गैस्टर एक्ट में जेल में बन्द है।
Mob:- 9335154152

रेबीज से सावधान रहने के लिए डॉक्टर बी.पी.त्यागी ने दी बच्चों को जानकारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
आज दिनांक 3-10-2024 केसे बचे रेबीज से गाजियाबाद के जाने माने नाक, कान और गले के वरिष्ठ डॉक्टर और अवेकनिंग इंडिया के डायरेक्टर डॉक्टर बी.पी.एस त्यागी जी ने यह जानकारी आज एस.एस. के.पब्लिक स्कूल प्रताप विहार में बच्चों को गाजियाबाद रेबीज मुक्त अभियान के अंतर्गत दी। उन्होंने बच्चों और स्कूल की अध्यापिकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अवेकनिंग इंडिया और एस.बी.एन. स्कूल के सहयोग से गाजियाबाद के स्कूल में बच्चों को रेबीज मुक्त रहने की जानकारी लगातार दी जा रही है और अब तक लगभग 1000 स्कूलों तक यह जानकारी पहुंच चुकी है रेबीज के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि यह एक जानलेवा बीमारी है जो कि कुत्ता, बिल्ली, बन्दर, गिलहरी, चूहा इत्यादि की काटने से फैलती है और इसका उपचार तुरंत ना किया जाए तो इसमें पीड़ित की जान चली जाती है उन्होंने रेबीज के टीकाकरण को विस्तार से बताया कि किस तरह टीकाकरण करना चाहिए और यदि जानवर का दांत गढ़ जाता है तो उसी जगह सीरम लगाना अति



आवश्यक होता है और पालतू जानवरों को कैसे टीकाकरण करए इस कि भी जानकारी दी इसके अलावा उन्होंने ई.एन.टी. से जुड़ी बीमारियों के बारे में भी बच्चों को जानकारी दी सभी बच्चों और अध्यापिकाओं ने बड़े ही ध्यानपूर्वक सभी जानकारी को सुना और समझा और भविष्य में इसको आगे और लोगो तक पहुंचाने की शपथ भी ली एस.बी.एन. स्कूल के डायरेक्टर तरुण रावत जी ने गाजियाबाद के सभी स्कूलों तक यह जानकारी पहुंचाने का संकल्प लिया और कहा कि वह अवेकनिंग इंडिया के साथ है और अपना पूरा सहयोग देते रहेंगे और एक दिन गाजियाबाद को ह्लागाजियाबाद रेबीज

मुक्त शहर बनाएंगे एस. एस.के. पब्लिक स्कूल डायरेक्टर श्री कमल जी ने कहा की जब उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि गाजियाबाद के वरिष्ठ डॉक्टर बी.पी.एस. त्यागी जी उनके स्कूल में गाजियाबाद रेबीज मुक्त अभियान की जानकारी देने आ रहे है तो उन्हें बहुत गौरव महसूस हुआ कि डॉक्टर सहाब ने इसके लिए उनके स्कूल का चयन किया और इसलिए उन्होंने तुरंत अपनी सहमति दे दी उन्होंने कहा की यह उनके लिए और उनके स्कूल की लिए बहुत ही गौरव की बात है कि वह और उनका स्कूल इस अभियान का हिस्सा बनेगा और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम अपने स्कूल में कराते रहेंगे।

इंदिरापुरम पुलिस के साथ मुठभेड में एक चैन स्नेचर घायल गिरफ्तार , दूसरा फरार

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
थाना इंदिरापुरम पुलिस टीम ने लूट व स्नेचिंग की घटनाओं को कारित करने वाला 01 शांति अभियुक्त को पुलिस मुठभेड में गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से 01 अवैध तमचा, 01 खोखा कारतूस, 01 जिन्दा कारतूस, लूट व स्नेचिंग की गई चैन मंगलसूत्र की बिक्री से प्राप्त 10 हजार रुपए व घटनाओं में प्रयुक्त चोरी की 01 मोटर साइकिल बरामद की है। एसीपी इंदिरापुरम स्वतन्त्र देव सिंह ने बताया मुठभेड में दो बदमाशों से सामना हुआ गिरफ्तार अभियुक्त बिहार का रहने वाला 22 वर्षीय अक्षय कुमार है जो किराए पर झंडापुर गाजियाबाद में यह और इसका दूसरा फरार साथी सहनावज है जो अंधेरा का फायदा उठाकर भागने में कामयाब रहा। चेकिंग के दौरान हिंडन बैराज के पास दो मोटर साइकिल सवार युवकों को रुकने का इशारा किया गया परन्तु दोनों युवक नही रुके तथा मोटर साइकिल को तेजी से पीछे मोड़ते हुए भागने का प्रयास किया तो मोटर साइकिल फिसलकर गिर गयी। जिससे वह



मोटर साइकिल को छोड़कर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर करते हुए भागने का प्रयास किया। जिससे पुलिस टीम द्वारा अपना बचाव करते हुये बहादुरी का परिचय देते हुये आत्मरक्षा जवाबी कार्यवाही की गयी व न्यूनतम बल का प्रयोग करते हुये फायर किया गया। जिससे अभियुक्त अक्षय कुमार के पैर मे पैर में गोली लगी। जिससे अभियुक्त घायल होकर नीचे गिर गया तथा उसका दूसरा साथी मोका का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने थाना इंदिरापुरम की कई चैन, मोबाइल फोन स्नेचिंग सम्बन्धित घटनाओं को कारित करने का इकबाल किया है घायल बदमाश को इलाज के लिए भेजा गया है।

जनपद गाजियाबाद में संभल में कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आए जनपद गाजियाबाद कुटू सप्लायर फर्म मधु ट्रेडर्स पर कार्यवाही की गई।



संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)
नवरात्रि अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 3 अक्टूबर 2024 को जनपद गाजियाबाद में संभल में कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आए जनपद गाजियाबाद कुटू सप्लायर फर्म मधु ट्रेडर्स पर कार्यवाही की गई। जहां से कुटू, समा चावल एवं साबुदाना के नमूने संग्रहित कर किए गए। साथ ही जनपद संभल में कार्यवाही किए गए कुटू के आटा की अन्य कारोबारियों को वितरण की सूचना न देने एवं संबंधित रिकार्ड को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के कहने पर प्रस्तुत न किए जाने के

कारण उस फर्म के खाद्य रजिस्ट्रेशन को निलंबित करते हुए प्रतिष्ठान को बंद कर दिया गया है तथा इस आशय का निर्देश भी दिया गया है कि संबंधित दस्तावेज और सूचना यदि प्रस्तुत नहीं की जाती है तो उसके खाद्य रजिस्ट्रेशन को निरस्त कर दिया जाएगा। साथ ही किराना मंडी में ही विशाल ट्रेडर्स गाजियाबाद द्वारा सप्लाई किया जा रहे हैं करीब 15 कुंतल कुटू को नमूना संग्रहित करते हुए सीज कर दिया गया है अन्य कार्यवाहियों में चलाई लड्डू, घी, फलाहारी नमकीन व कुटू आटा समेत कुल 11 नमूने संग्रहित किए गए।

इंदिरापुरम पुलिस ने किए 2 गिरफ्तार अवैध तरीके से 78 सिलेंडरो को ले जाते हुए



संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
सिलेंडर मामले में इंदिरापुरम पुलिस ने जिला आपूर्ति विभाग से बात कर किया मुकदमा दर्ज बीते 30 सितंबर को थाना इंदिरापुरम पुलिस ने 78 घरेलू सिलेंडरो को अवैध तरीके से ले जाते हुए 2 आरोपितों को गिरफ्तार किया। जिस पर इंदिरापुरम पुलिस ने जिला पूर्ति विभाग से वार्ता करते हुए पकड़े गए आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए कार्यवाही की। जिला आपूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया मेरठ के राजन गैस एजेंसी से 78 सिलेंडरो को लेकर खोड़ा जाने वाले 2 आरोपित वाहन चालक अभियुक्त रेवती तथा मुख्य आरोपी देवेन्द्र निवासी खोड़ा गाजियाबाद को इंदिरापुरम के गौड़ ग्रीन चौराहा से थाना इंदिरापुरम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए अभियुक्त 78 सिलेंडर खपाने के लिए खोड़ा क्षेत्र में तैयारी कर रहे थे।

संक्षिप्त डायरी गाजियाबाद पुलिस के नाक के नीचे से हुई कार चोरी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
आजाद समाज पार्टी के विधायक प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी के कार्यालय विजयनगर ताज हाईवे के पास कार हुई चोरी दिनांक 02/10/2024 में प्रचार के बाद रात में कार्यालय के नीचे कार को पार्क किया गया था रात में करीबन 2:00 बजे के आस पास कार चोरों ने कार पर हाथ साफ किया यह घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई,सत्यपाल चौधरी का कहना है की गाजियाबाद में चोरी की घटनाये और क्राइम चरम सीमा पर है उन्होंने कहा कि कार मिले ना मिले लेकिन चोर जरूर पकड़ा जाना चाहिये जिससे चोरों का गैंग पकड़ा जाए और जो चोरी की घटना आए दिन गाजियाबाद में हो रही है उस पर रोक लगाई जा सके, 03/10/2024 गाड़ी चोरी होने की कल्पित चौकी कमला हॉल व थाना रिपब्लिक क्रॉसिंग में करा दी गई है अब देखते हैं कि पुलिस इस चोरी की वारदात को कैसे खोलते है गाड़ी एकको है जिसका रंग सफेद है और रजिस्ट्रेशन नंबर वद14-38-0418 है जो सजेंद्र सिंह के नाम रजिस्टर्ड है



सांस बहू से बाईक सवार टगों ने टगो, लगभग डेढ़ लाख रुपए के जेवर

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
थाना बापूधाम जनपद के कमिश्नरी में आये दिन हो रहे एन्काउन्टर के बावजूद भी चैन झपटमारी व टगी के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं ऐसा ही एक मामला देखने को मिला सै023, संजय नगर एम ब्लॉक के 459, मकान का विद्यावती व उनकी बहू मीना के पास दो बाईक सवार आए, दोनों ने पास से बाईक हटा कर दूसरी में खड़ी कर, वापस आकर दोनों महिलाओं से घर पर रखे जेवर साफ कराने के लिए कहा जिसके चलते दोनों महिलाओं ने अपनी दो सोने की अंगूठी व एक सोने की चैन साफ कराने के लिए दे दी, जिनकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए कीमत बताई जा रही है,जब तक महिलाएं कुछ समझ पाती तब तक जेवर हाथ में आते ही बाईक सवार दोनों टग दूसरी गली में खड़ी बाईक से फरार हो गए मीके पर पहुंची पुलिस की जांच जारी है



वसूली के कार्यों में समन्वय और समझदारी जरूरी: अपर जिला अधिकारी नगर गंभीर सिंह

मिलावटी खाद्य पदार्थों के प्रति जनता का जागरूक रहना भी बहुत जरूरी, करें शिकायत : गंभीर सिंह

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
अपर जिलाधिकारी ,नगर, गंभीर सिंह गाजियाबाद की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, गाजियाबाद की जिला स्तरीय कमेटी बैठक महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। बैठक में खाद्य से सम्बन्धित विभिन्न विभागों के साथ-साथ उपभोक्ता प्रतिनिधि, प्रतिनिधि उद्योग व्यापार मण्डल, गाजियाबाद, प्रतिनिधि औषधि विक्रेता संघ गाजियाबाद उपस्थित रहे। बैठक में आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के निमित्त प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये। साथ ही विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर खाद्य लाइसेन्स पंजीकरण के वृद्धि के निर्देश दिये गये, जिन खाद्य कारोबारकर्ताओं के वार्षिक टर्न ओवर 12 लाख रुपए से अधिक उसका पंजीकरण का लाइसेन्स में परिवर्तन के निर्देश दिये गये। व्यापार संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा खाद्य पदार्थों के निर्माण स्थल, थोक विक्रेता से प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही का मुद्दा उठाया गया। विशेषकर कुटू का आटा व सिंघाड़े का आटा एवं फलों को पकाये जाने वाले इकाईयों का सघन निरीक्षण व प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही के निर्देश



दिये गये। अपर जिलाधिकारी ,नगर, महोदय द्वारा आर.सी की वसूली के लिए सम्बन्धित तहसील के तहसीलदारों से समन्वय स्थापित कर वसूली के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये। अपर जिलाधिकारी ,नगर, द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि खाद्य सुरक्षा आने वाले दिनों में एक चुनौती है जिसे मार्केटिंग एवं पैकेजिंग एवं बिक्री के स्तर पर सतर्क, सावधान एवं सचेत रहते हुए सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही अपर जिलाधिकारी ,नगर, द्वारा अधिसूचना के आधार पर सामान्य खाद्य कारोबारकर्ताओं समेत मीड-डे-मील सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों एवं बाल विकास पुष्टाहा में विभाग द्वारा वितरित किये जाने वाले खाद्य पदार्थों लगातार कार्यवाही

सरस्वती कॉलेज में केरियर काउंसलिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)
सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज गाजियाबाद में दिनांक 03/10/2024 को करियर काउंसलिंग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत सचिव निर्मल सिंह ने छात्रों को कर्तव्य निर्णय एवं समय के महत्व के बारे में बताया तथा बीकॉम एवं बीएंडो के छात्रों को श्री एस.पी. वर्मा डायरेक्टर, (ट्रेनिंग एंड इन्वोवेशन सेंटर ऑफ एक्ससीएस इन ट्रेनिंग एंड रिसर्च) ग्रीन पेटल ट्रस्ट, मेरठ एनसीआर ने मुख्य वक्ता के रूप में छात्रों को मार्गदर्शन दिया। एसपी वर्मा ने छात्रों को सर्वप्रथम नो योर सेल्फ एक्टिविटी के माध्यम से अपनी पांच स्ट्रेथ्स और तीन वीकेनेस को एक पेपर पर लिखने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने छात्र स्वयं का स्मार्ट गोल किस तरह से निर्धारित करें। आत्म चिंतन, निर्णय क्षमता नेतृत्व क्षमता, भाषा कौशल, कार्य संतुष्टि, नए-नए अवसरों को पहचाना, आत्म मूल्यांकन आत्मविश्वास के साथ



संतुष्टि, आलोचनात्मक चिंतन, स्वयं की पसंद का कार्य आदि महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में एडमिन हेड डॉक्टर अलका कटारिया धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉक्टर संजय कुमार, सचिव निर्मल सिंह, विभागाध्यक्षा डॉ अनिता सिंह तथा शिक्षा एवं वाणिज्य विभाग के समस्त प्रवक्तागण एवं छात्र उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत व्यवसायिक वाहनों में लगवाए रिफ्लेक्टर, 15 वाहनों के किए चालान

प्रवर्तन अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने हेतु किया जागरूक



संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) मुख्य सचिव, उतर प्रदेश शासन, परिवहन अनुभाग-3 के निर्देश अनुसार दिनांक 02.10.2024 से 16.10.2024 तक रसइक सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त के कम में आज दिनांक 03.10.2024 को सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत परिवहन विभाग गाजियाबाद के समस्त प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा व्यवसायिक वाहनों में रिफ्लेक्टर ने लगे होने के संबंध में अभियान चलाया गया। इसके दृष्टिकोण 62 वाहनों में रिफ्लेक्टर लगाया गया, साथ ही वाहनों में रिफ्लेक्टर टैप न लगे होने पर 15 वाहनों का वाहन भी किया गया। इस दौरान सभी वाहन चालकों को यातायात के नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया गया। [सहायक सभागीय परिवहन अधिकारी, प्रवर्तन गाजियाबाद।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में नस्लवाद की वजह से बढ़ रही असमानता : रिपोर्ट



लंदन, एजेंसी। लंदन में संरचनात्मक नस्लवाद एक गंभीर समस्या है। यह जहाँ जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है वहीं जातीय समूहों के बीच असमानताओं को भी बढ़ावा दे रहा है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यूरोपीय इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ इंडिकेटर्स (आईएचई) की ओर से प्रकाशित रिपोर्ट में पाया गया कि जो लोग अपने दैनिक जीवन में बार-बार नस्लवाद के संपर्क में आते हैं, उनका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है। रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में लगभग 70 फीसदी बांग्लादेशी और पाकिस्तानी बच्चे, 52 प्रतिशत अश्वेत बच्चे, गरीबी में बड़े हो रहे हैं। वहीं श्वेत परिवारों में 26 फीसदी बच्चे गरीबी में बड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि गरीबी में बड़े होने वाले बच्चों को अच्छे आवास में रहने या पौष्टिक भोजन तक पहुंच की संभावना कम होती है। इसका उनका शैक्षिक संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि वर्कलेस पर नस्लवाद के कारण शिक्षा में प्रगति, अच्छे रोजगार या आय में तब्दील नहीं हो पाती। रोजगार के अवसरों और वेतन के स्तर में जातीय असमानताएं सबसे अधिक स्पष्ट हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 16 से 24 वर्ष की आयु के श्वेत लोगों में बेरोजगारी की दर उसी आयु के श्वेत लोगों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। लंदन में 40 फीसदी जातीय अल्पसंख्यक वर्कर ने पिछले पांच वर्षों में वर्कलेस पर नस्लवाद की रिपोर्ट की थी। देश भर में एक तिहाई एम्प्लॉयर में समानता, विविधता और समावेश रणनीतियों का अभाव पाया गया। लंदन यूनाइटेड किंगडम की राजधानी है और देश का सबसे बड़ा शहर है, जिसकी जनसंख्या 2022 में 8,866,180 है। इसे दुनिया के प्रमुख ग्लोबल शहरों में से एक माना जाता है। 2021 की जनगणना के मुताबिक 3,575,739 लोग या लंदन की आबादी का 40.6 प्रतिशत विदेशी मूल के थे।

गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजरायली हवाई हमले में तीन फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, एजेंसी। मंगलवार को इजरायली हवाई हमले में गाजा पट्टी के मध्य स्थित नुसैरात शरणार्थी शिविर में तीन फिलिस्तीनीयों की मौत हो गई। दक्षिण गाजा के खान यूनिस् में इजरायली सेना अचानक आगे बढ़ी है। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इजरायली वायु सेना ने नुसैरात शिविर के पश्चिम में एक घर पर मिसाइल दागी। इस हवाई हमले के साथ तोपखाने से भी भारी गोलीबारी हुई, जिसमें विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाला एक स्कूल भी चपेट में आ गया। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इस हमले में तीन फिलिस्तीनीयों की मौत हो गई और कई घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय सूत्रों ने यह भी बताया कि इजरायली सैनिकों ने गाजा के मध्य में नेज्वाकिम चौराहे पर कई फिलिस्तीनीयों को घायल कर दिया। ये फिलिस्तीनी दक्षिण से उत्तर की ओर लौटने की कोशिश कर रहे थे, तभी सैनिकों ने उन पर गोली चला दी। इजरायली सेना ने कहा कि उन्होंने गाजा के मध्य में कई सदिश लोगों को देखा जो सैनिकों के लिए खतरा बने हुए थे। इसलिए उन्होंने गोलीबारी की, जिससे कई लोग घायल हो गए, हालांकि इजरायली सैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। खान यूनिस् में चश्मदीदी ने बताया कि इजरायली सेना अचानक भारी गोलीबारी के बीच फिजान अन-नज्जार इलाके में आगे बढ़ी। इसके कारण सैकड़ों फिलिस्तीनी परिवार वहां फंस गए। तोपों और गोलियों की आवाज के बीच लोग घायल हुए। कई लोग इस अचानक हुई कार्रवाई से अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे।

प्रवासियों को ले जा रही दो नौकाएं लाल सागर में डूबीं, 45 लोगों की मौत व दर्जनों लापता



जिबूती, एजेंसी। अफ्रीका से प्रवासियों को लेकर जा रही दो नौकाएं जिबूती तट के पास लाल सागर में डूब गईं, जिससे 45 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने बताया कि ये नौकाएं 310 लोगों को लेकर यमन से रवाना हुई थीं। खोज एवं बचाव प्रयासों में सहायता कर रही संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने सोशल मीडिया में एक वीडियो प्रकाशित किया कि 32 लोगों को बचा लिया गया है। वहीं, जिबूती के तट रक्षक ने बताया कि हादसा उत्तर-पश्चिमी खोर अंगार क्षेत्र के पास एक समुद्र तट से करीब 150 मीटर की दूरी पर हुआ। उसने बताया कि संयुक्त बचाव अभियान सीमावारा सुबह से शुरू हुआ और अब भी जारी है। उसने बताया कि 115 लोगों को बचा लिया गया है। एजेंसी ने सोशल मीडिया पर बयान पोस्ट कर कहा, 'हम लापता लोगों को ढूँढने और जीवित बचे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

ईरान ने इजरायल पर किया हमला, 180 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागी

यरूशलम, एजेंसी। ईरान ने इजरायल पर मंगलवार रात 180 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इजरायली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बताया कि हमला मोसाद हेडक्वार्टर, नेवातिम एयरबेस और तेल नोफ एयरबेस को निशाना बनाकर किया गया था। ईरान की ज्यादातर मिसाइलों को इजरायल के डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया। आईडीएफ के मुताबिक हमले में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। हमले के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि हमने इजरायल की आक्रामकता का जवाब दिया है। यह ईरान के हितों और नागरिकों की रक्षा के लिए जरूरी था। अगर इजरायल ने पलटवार किया, तो तगड़ा जवाब देंगे। इधर, इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान को इस हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आईडीएफ ने कहा है कि हम ईरान को बखाने वाले नहीं हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। बाइडेन ने अमेरिकी सेना से कहा है कि जो ईरानी हमलों से इजरायल की रक्षा करे और इजरायल की तरफ दागी गई मिसाइलों को मार गिराए। ईरानी सेना ने मंगलवार रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। हमले में मुख्य रूप से सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड



कॉर्पस (आईआरजीसी) के एक बयान का हवाला देते हुए मीडिया रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि ईरान से इजरायल की ओर बड़ी संख्या में मिसाइलें दागी गईं हैं। आईआरजीसी ने पलटवार किया, तो तगड़ा जवाब देंगे। इधर, इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान को इस हमले की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। आईडीएफ ने कहा है कि हम ईरान को बखाने वाले नहीं हैं। दूसरी तरफ, अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने नेशनल सिक्योरिटी टीम के साथ बैठक की। बाइडेन ने अमेरिकी सेना से कहा है कि जो ईरानी हमलों से इजरायल की रक्षा करे और इजरायल की तरफ दागी गई मिसाइलों को मार गिराए। ईरानी सेना ने मंगलवार रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी। हमले में मुख्य रूप से सैन्य और सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड

उन्होंने कॉल पर कहा, इस ऑपरेशन में 200 मिसाइलें दागी गईं। इससे पहले इजरायली सेना ने लगभग 180 मिसाइलें दागे जाने की बात कही थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने लगभग 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की बात कही थी। ईरान ने इजरायल पर एक घंटे तक मिसाइलें हमला किया था।

हिनजबुल्लाह बोला- इजरायली सैनिकों को पीछे धकेला : टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक हिनजबुल्लाह ने लेबनान के ओसैदेह शहर में घुसपैठ कर रहे इजरायली सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। हिनजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उनके लड़ाकों ने रॉकेट और तोपखाने से इजरायली सेना का सामना किया। इससे पहले हिनजबुल्लाह ने कहा था कि इजरायली सेना ने लेबनान में कोई घुसपैठ पजशकियान से टेलीफोन पर बात कर रहे हैं।

उन्होंने कॉल पर कहा, इस ऑपरेशन में 200 मिसाइलें दागी गईं। इससे पहले इजरायली सेना ने लगभग 180 मिसाइलें दागे जाने की बात कही थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने लगभग 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की बात कही थी। ईरान ने इजरायल पर एक घंटे तक मिसाइलें हमला किया था।

हिनजबुल्लाह बोला- इजरायली सैनिकों को पीछे धकेला : टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक हिनजबुल्लाह ने लेबनान के ओसैदेह शहर में घुसपैठ कर रहे इजरायली सैनिकों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। हिनजबुल्लाह ने एक बयान में कहा कि उनके लड़ाकों ने रॉकेट और तोपखाने से इजरायली सेना का सामना किया। इससे पहले हिनजबुल्लाह ने कहा था कि इजरायली सेना ने लेबनान में कोई घुसपैठ नहीं की है।

पेरू में तीन वाहनों की टक्कर में नौ लोगों की मौत, 16 घायल

लीमा, एजेंसी। पेरू के टैकना क्षेत्र में कोस्टानेया हाइवे पर तीन वाहनों की टक्कर में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना ला याराडा-लॉस पालोस जिले में एल चास्की नामक मोड़ के पास हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सरकारी समाचार एजेंसी एंडीना के हवाले से बताया कि रिविवा रात को विन्का ट्रांसपोर्ट कंपनी की एक बस, एक प्राइवेट कार और एंड्रियन प्रॉडक्ट्स, भेड़ ले जा रहे ट्रक में टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक ड्राइवर और कई बस यात्री मलबे में फंस गए, जबकि प्राइवेट कार में सवार लोग कथित तौर पर घटनास्थल से भाग गए। चश्मदीदी ने बताया कि कार गलत लेन में चली गई, जिससे दुर्घटना हुई। कार के अंदर बीयर के डिब्बे पाए जाने से संदेह पैदा हुआ कि ड्राइवर नशे में था। फायर फाइटर्स की टीम और कई एम्बुलेंस सहित आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंच गईं। हिपोलिटो यूनायू रीजनल हॉस्पिटल के निदेशक एडी विसेंट चोक ने कहा कि रिविवा रात को 16 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोमवार सुबह तक छह को छुट्टी दे दी गई, जबकि 10 अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। कुछ ही दिन पहले उत्तरी पेरू के ला लिबर्टाड क्षेत्र में दो गाड़ियों की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, 18 सितंबर को यह दुर्घटना चिकामा जिले, एस्कोप्रा प्रांत की एक सड़क पर हुई।

अमेरिकी चुनाव से पहले जेडी वेंस और वॉल्टज आखिरी बार आमने-सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति का अगले महीने चुनाव होना है। इस बार मुकाबला पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मौजूदा उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच है। दोनों के बीच पिछले महीने प्रेसिडेंशियल डिबेट हो चुकी है। जिसमें कमला हैरिस ने बहुत बनाई थी। अब रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस और टिम वॉल्टज से मिले। अगले वाइस प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के बीच 10 सितंबर को हुई दिलचस्प डिबेट के बाद आज रात को जेडी वेंस और टिम वॉल्टज ने डिबेट के दौरान जमकर एक दूसरे पर हमला बोला। यह डिबेट सीबीएस न्यूज की ओर से कराई थी। भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे शुरू हुई इस 90 मिनट की डिबेट में ट्रंप और जेडी ने मिडिल ईस्ट में बढ़े तनाव से लेकर

अमेरिकी अर्थव्यवस्था, माइग्रेशन और गर्भपात, जलवायु परिवर्तन पर एक दूसरे पर जमकर हमला बोला। चुनाव की आखिरी डिबेट मानी जा रही है : मिनेसोटा से गवर्नर और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्टज और ओहायो से सीनेटर रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस डिबेट से पहले एक दूसरे साथ गर्मजोशी से मिले। अगले महीने होने वाली चुनावों से पहले इसे दोनों पार्टियों को ओर से आखिरी चुनावी डिबेट माना जा रहा है। इससे पहले ट्रंप ने उपराष्ट्रपति हैरिस के साथ दूसरी बहस से इनकार कर दिया था। इस डिबेट के दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्टज ने मौजूदा सरकार की मिडिल क्लास को लेकर पेश की गई योजनाओं का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि,



पार्टी सुनिश्चित करेगी कि मिडिल क्लास के कंधों से टेक्स का बोझ कम हो। वहीं रिपब्लिकन जेडी वेंस लगातार देश पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर बाइडेन सरकार पर निशाना साधते दिखे। डिबेट में छाप रहे ये मुद्दे : डिबेट का पहला सवाल इस्राइल पर ईरान के मिसाइल हमले के बारे में था। इस पर वॉल्टज ने तुरंत ट्रंप की

विदेश नीति पर निशाना साधा, इसके अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति ट्रंप का झुकाव और 2015 के ईरान परमाणु निरस्त्रीकरण समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर निकलने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति की आलोचना की। डिबेट के दौरान गर्भपात से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी के टिम

वॉल्टज ने डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। उन्होंने कहा की ट्रंप गर्भपात पर बैन के हिमायती हैं। गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को पलटने वाले सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की नियुक्ति में ट्रंप की अहम भूमिका थी। इसके जवाब में जेडी वेंस ने कहा कि, गवर्नर वॉल्टज ने डोनाल्ड ट्रंप को अराजकता का एजेंट बताया है, जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने वास्तव में दुनिया में स्थिरता लाई है। उन्होंने प्रभावी निरोध स्थापित करके ऐसा किया। लोग लाइन से बाहर निकलने से डरते हैं। डिबेट के दौरान जेडी वेंस ने आखिर नीति को लेकर कहा कि हमारे देश में दो से डेढ़ करोड़ लोग अवैध शरणार्थी हैं। मुझे ओहायो के सिंगरफ्रील्ड की बहुत चिंता है। यहां के अमेरिकी नागरिकों की जिंदगी कमला हैरिस के ओपन बॉर्डर करके बर्बाद कर दी। इस पर वॉल्टज ने कहा कि ऐसा तब होता है, जब आप समस्याओं को सुलझाने के बजाए उन्हें और बिगाड़ देते हैं।

अमेरिका में हेलेन के कहट से 100 लोगों की मौत महाशक्ति देश में 17 लाख लोग अंधेरे में

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 26 सितंबर को आए विनाशकारी तूफान हेलेना ने दक्षिणपूर्व और मध्यपश्चिमी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। यहां हेलेन तूफान अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान ले चुका है जबकि लगभग 17 लाख लोग अब भी बिजली के बिना जीवन गुजार रहे हैं। तूफान की वजह से न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप हो गई है, बल्कि कई जगहों पर साफ पानी की भी कमी हो गई है, जिससे प्रभावित लोगों को गंभीर मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। तूफान की प्रचंड हवाओं और मूसलधार बारिश ने बिजली के खंभों को उखाड़ दिया और पेड़ गिराकर सफाई लाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

इसके अलावा, तूफानी लहरों और तेज हवाओं से कई इलाकों में यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है, जिससे बिजली की कर्मचारियों का प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। तूफान से कुल मिलाकर लगभग 55 लाख ग्राहक प्रभावित हुए हैं। तूफान की चपेट में आकर 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। तूफान की वजह से घरों और



अन्य संपत्तियों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। कुछ इलाकों में तूफानी हवाओं के कारण पेड़ और खंभे गिर गए, जिससे बिजली बहाल करने में और कठिनाइयां आ रही हैं। तूफान के कारण प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति भी बाधित है। कई घरों तक पानी का साफ पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे हालात और ज्यादा बिगाड़ गए हैं। बिजली कंपनियों, खासकर ड्यूक एनर्जी, बिजली बहाली के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। कंपनी ने अब तक दक्षिण घायल हुए हैं। तूफान की वजह से 1,35,000 से अधिक ग्राहकों

की बिजली सप्लाई बहाल कर दी है। हालांकि, अब भी दक्षिण कैरोलिना के 3,95,000 और उत्तर कैरोलिना के 2,66,000 से अधिक ग्राहक बिना बिजली के हैं। कंपनी ने कहा कि शुक्रवार रात तक अधिकांश प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति फिर से शुरू हो जाएगी। बिजली की कमी के कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी बाधित हो गई है, जिससे लाखों लोग साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। राज्य और स्थानीय अधिकारियों ने राहत कार्य शुरू कर दिए हैं।

फिर बच गई कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार लगातार दूसरा विश्वास मत हासिल करने में कामयाब

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को एक बार फिर देश की संसद में विश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने इसमें भी जीत हासिल की। यह मुख्य प्रतिद्वंद्वी द्वारा उन्हें पद से हटाने का प्रयास था। ट्रूडो ने 207 में से 121 वोटों के साथ दोबारा चुनाव कराने के कंजर्वेटिव के इरादे पर पानी फेर दिया। इस दौरान संसद में दो छोटे गुट ट्रूडो की अल्पमत सरकार के पक्ष में दिखे। बता दें कि प्रस्ताव में ट्रूडो सरकार पर आवास संकट, रहने की लागत और बढ़ते अपराध को कम करने में असफल रहने और कनाडाई इतिहास में सबसे अधिक केंद्रीकृत सरकार होने का आरोप लगाया गया था।

एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार विश्वास प्रस्ताव का सामना : एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार जस्टिन ट्रूडो को विश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। इससे पहले गुरुवार को उन्होंने कंजर्वेटिव द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव पर जीत हासिल की थी। जनमत सर्वेक्षण में 20 अंकों की बढ़त पाने के बाद टोरी नेता पियरे चुनाव की उम्मीद कर रहे थे। दरअसल, वामपंथी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने पिछले महीने लिबरल्स के साथ गठबंधन समझौते को तोड़ दिया था। इससे ट्रूडो सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे। कनाडा की वेस्टमिंस्टर संसदीय प्रणाली में एक



सत्तारूढ़ पार्टी को हाउस ऑफ कॉमंस का विश्वास मत राखना जरूरी है। आसपास शब्दों में कहा जाए तो सत्तारूढ़ पार्टी को अधिकांश सदस्यों का समर्थन बनाए रखना आवश्यक है। वर्तमान समय में लिबरल के पास 153 सीटें, कंजर्वेटिव के पास 119 और ब्लॉक क्यूबेकॉइस के पास 33 और एनडीपी के पास 25 सीटें हैं। साल 2015 में ट्रूडो ने अपनी सरकार बनाई थी, जिसके बाद वे लगातार दो बार 2019 और 2021 में सत्ता में बकावर रहने में कामयाब रहे। हालांकि, पिछले कुछ समय से उनकी लोकप्रियता में गिरावट देखने को मिली है। हाल के महीनों में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिसमें पार्टी की दो मजबूत गढ़ में उनकी हार शामिल है।

छह राज्य तय करेंगे कौन बनेगा अमेरिका का राष्ट्रपति? ट्रंप और हैरिस कर रहे कड़ी मेहनत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों के बीच कड़ा मुकाबला है। हालांकि, इनकी किस्मत कुछ महत्वपूर्ण राज्यों के हाथ में है।

क्या है अमेरिका में राष्ट्रपति चुनने का तरीका : अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में पूरे देश में सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाला उम्मीदवार विजेता नहीं होता। इसके बजाय दोनों पार्टियों के उम्मीदवार को पूरे 50 राज्यों में होने वाले चुनावों को जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। हरेक प्रांत में आंशिक तौर पर जनसंख्या पर आधारित कथित इलेक्टोरल कॉलेजों की एक निश्चित संख्या होती है। इस तरह 538

इलेक्टोरल कॉलेज होते हैं। इनमें से 270 या इनसे अधिक में जीतने वाला ही विजेता होता है। केवल दो को छोड़कर सभी राज्यों में जो भी उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल करता है उसे ही इलेक्टोरल कॉलेज के सभी वोट दे दिए जाते हैं। ज्यादातर राज्य एक या दूसरी पार्टी की ओर काफी ज्यादा झुके होते हैं। इसलिए उम्मीदवार लगभग उन एक दर्जन के राज्यों पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं जहां उनके जीतने की संभावना होती है। इन्हें बैटलग्राउंड या स्विंग स्टेट कहते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कोई उम्मीदवार सबसे ज्यादा वोट हासिल कर सकता है। जैसे हिलेरी क्लिंटन ने 2016 में राष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा वोट हासिल किए थे। लेकिन इलेक्टोरल कॉलेज के चुनावों में वो हार गई थीं। इस साल यहां छह बैटलग्राउंड यानी स्विंग स्टेट हैं, जिन पर



हर किसी की नजर बनी हुई है। यहां 19 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। पेंसिल्वेनिया को यूं तो एक मजबूत डेमोक्रेटिक गढ़ माना जाता है लेकिन हाल के कुछ सालों में ये रंग बदलता दिख रहा है। स्विंग स्टेट में यह काफी बड़ा राज्य है।

वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन यहीं से हैं। पिछली बार यानी साल 202 में यहां पर बाइडेन को 112 फीसदी के अंतर से जीत हासिल हुई थी। 1.3 करोड़ आबादी वाले राज्य में ट्रंप को 2016 में जीत हासिल हुई थी। फिलार्डेल्फिया और

पिट्सबर्ग जैसे रस्ट बेल्ट शहरों के लिए जाना जाने वाला पेंसिल्वेनिया दशकों से अपना औद्योगिक विनिर्माण आधार में लगातार गिरावट से परेशान है। ट्रंप और हैरिस ने पूर्वी राज्य में बार-बार प्रचार किया है। पूर्व राष्ट्रपति ग्रामीण श्वेत आबादी को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं और चेतावनी दे रहे कि छोटे शहरों में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। हैरिस हाल ही में बुनियादी ढांचे में मिली सफलता का बखान कर रही हैं और पिट्सबर्ग में उन्होंने विनिर्माण क्षेत्र में 100 अरब डॉलर के निवेश की योजना की रूपरेखा पेश की, जो राज्य के निवासियों के लिए एक प्रमुख मुद्दा है। जॉर्जिया - जॉर्जिया में 16 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं। यह दक्षिण-पूर्वी राज्य डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंत में एक चुनावी मुद्दा था और विवाद अभी भी जारी है।



धड़क 2 में मेरा किरदार भारतीय सिनेमा में अब तक देखे गए किरदारों से अलग

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी इस बात से सहमत हैं कि धड़क 2 की उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव है। उन्होंने खुलासा किया कि यह एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है, जिसके लिए काफी भावनात्मक गहराई की जरूरत होती है। मई में धड़क 2 की घोषणा की गई थी। यह फिल्म, जिसमें तुषि डिमरी भी हैं, 2018 की फिल्म धड़क का आध्यात्मिक सीकवल है। यहां तमिल फिल्म पेरीयरम पेरुमल की रोमक है, जिसका निर्देशन मारी सेल्वराज ने किया है। धड़क 2 एक ऐसे जोड़े की प्रेम कहानी दिखाएगी, जो अलग-अलग जातियों से आते हैं।

सिद्धांत ने आईफा 2024 के मौके पर कहा कि, फिल्म में मेरा किरदार भारतीय सिनेमा में देखे गए किरदारों से काफी अलग है। यह एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है, जिसके लिए बहुत अधिक भावनात्मक गहराई की आवश्यकता होती है। मैं तुषि के साथ इसे पढ़े पर जीवंत करने के लिए उत्सुक हूँ। 31 वषीय स्टार ने 2019 में गली बॉय से सिनेमा में अपना सफर शुरू किया। इसके बाद उन्हें बंटी और बबली 2, गहराया, फोन भूत और खो गए हम कहाँ जैसी फिल्मों में देखा गया। अपनी हालिया रिलीज युधरा के साथ, सिद्धांत ने पहली बार एक्शन में काम आजमाया। एक्शन एडिटर में हाथ करने के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने कहा कि यह एक सपना सच होने जैसा था।

उन्होंने कहा कि, मैं एक अभिनेता के रूप में लगातार सीख रहा हूँ और बढ़ रहा हूँ। प्रत्येक फिल्म मेरे लिए नई चुनौतियाँ और अवसर पेश करती है। मैं अपनी क्षमताओं पर अधिक आश्रित हो गया हूँ, खासकर अब जब युधरा रिलीज हो गई है और मैंने आखिरकार अपना काम कर लिया है। मैं हमेशा अपनी सीमाओं से परे खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा हूँ, मेरा मानना है कि यही बात मुझे मेरे काम के प्रति उत्साहित रखती है। अभिनेता 29 सितंबर को एक म्यूजिकल नाइट, आईफा रॉक्स की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। पहली बार मेजबानी के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने कहा, आईफा रॉक्स की मेजबानी करना एक सपने के सच होने जैसा है, खासकर जब मैंने गली बॉय के लिए 2021 में आईफा पुरस्कार जीता था। मैं इस तरह के प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनकर रोमांचित हूँ।



आइटम नंबर करने को लेकर अनन्या ने जाहिर की अपनी राय

अनन्या पांडे हिंदी फिल्मों के दुनिया की एक जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। वह इंडस्ट्री के उन स्टार किड्स में से एक हैं, जिन्हें काफी चर्चा मिलती है। वह बीते कुछ समय से लगातार अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू ओटीटी सीरीज कॉल मी बे को लेकर वह काफी चर्चा में रही थीं। अब वह नेटपिलक्स की अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर करने को लेकर बात की है।

आइटम नंबरों को दूसरे दृष्टिकोण से देखने की जरूरत

अपने पांच साल के फिल्मी करियर में अनन्या पांडे बॉलीवुड की सबसे चर्चित स्टार किड्स में से एक बन गई हैं। उन्होंने खो गए हम कहाँ, लाइगर, पति पत्नी और वो आदि कुछ फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हाल में ही उन्होंने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ एक इंटरव्यू में आइटम नंबर करने को लेकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के कई और तरीके हैं। उन्होंने कहा कि डांस नंबर के इरादे के आधार पर अपना फैसला लेंगी। उन्होंने आगे कहा उन आइटम नंबरों को दूसरे

दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है और ऐसे कई तरीके हैं जिनके माध्यम से इसे एक अलग और महत्वपूर्ण रूप में दिखाया जा सकता है।

अगर किरदार को सम्मान नहीं, तो नहीं करेंगी आइटम नंबर

कॉल मी बे स्टार ने कहा कि अगर उनका किरदार एक सशक्त लड़की का है, उसे बहुत ज्यादा अश्लील नहीं बनाया जा रहा है, तो वह आइटम नंबर कर सकती हैं। अगर उनके किरदार को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, तो वह इसे करने से मना कर देंगी। अनन्या ने आगे कहा, सेक्सी होने के कई तरीके हैं, लेकिन अश्लीलता या ऑब्जेक्टिफाइड नहीं होना चाहिए। पुरुषों के साथ भी यही होता है, आप उन्हें अपनी शर्ट उतारने के लिए कहते हैं, तो उन्हें भी ऑब्जेक्टिफाइड किया जाता है। अभिनेत्री ने इसमें जोड़ते हुए कहा कि इसे मनोरंजन के रूप में भी देखा जा सकता है, लेकिन समस्या नकारात्मक तत्वों के महामामन से है।

चार अक्टूबर को रिलीज होगी कंट्रोल

अनन्या पांडे इन दिनों अपने आगामी फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ये फिल्म एक साइबर थ्रिलर होने वाली है, जो नेटपिलक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। फिल्म चार अक्टूबर को नेटपिलक्स पर रिलीज होगी। कंट्रोल में वह विहान सामत के साथ नजर आने वाली हैं। इस महीने की शुरुआत में रिलीज हुई उनकी डेब्यू प्राइम वीडियो सीरीज कॉल मी बे में भी दोनों ने साथ काम किया था।

आप लगातार टीवी पर दिखोगे तो दर्शक आपसे बोर हो जाएंगे, ब्रेक जरूरी

मिस्ट्री हर किसी को पसंद है और ऐक्टर उस दायरे में रहकर ही जीना चाहते हैं, जहां मिस्ट्री हो, ताकि सब उनके बारे में जानने के लिए उतावले रहें। टीवी इंडस्ट्री में दो दशक से ज्यादा वक्त गुजार चुकीं एक्ट्रेस नौशीन अली सरदार को भी मिस्ट्रीरियस बनकर रहना पसंद है। यही वजह है कि उनकी मोज-मस्ती, चुलबुलेपन और पार्टी करने वाले अंदाज को बस पांच-छह दोस्त ही करीब से जानते हैं। जल्द ही वह टीवी शो वसुधा में चंद्रिका सिंह चौहान के किरदार में एक सशक्त महिला के रूप में नजर आएंगी। बीते दिनों उनसे मुलाकात हुई तो उन्होंने हमसे ढेर सारी बातें कीं।

सख्त बनना और नेगेटिव ना लगना मुश्किल है

मैं चंद्रिका जैसा जटिल रोल बहुत पहले से करना चाहती थी इसलिए मैंने इसका ऑडिशन दिया और सिलेक्ट हो गई। दर्शकों के सामने स्ट्रिक्ट बनना और नेगेटिव ना लगना बहुत मुश्किल काम है। यह मेरे लिए एक चैलेंज था, जिसे मैंने स्वीकार किया और करके दिखाया। असल में, मेरे किरदार ने बहुत स्ट्रगल किया और पति के साथ मिलकर स्कूटर से हेलिकॉप्टर तक का सफर तय किया। इस दौरान कई सारे अनुभव हुए, जो मेरे किरदार के बोलचाल और हाव-भाव में नजर आने लगे। कोई इसे अहंकार समझेगा तो कोई पावर, लेकिन यह उसकी कमाई हुई ताकत है। यही सब मेरे किरदार के शेड्स हैं।

मेरे मस्ती-मजाक के दायरे में सिर्फ पांच-छह करीबी दोस्त ही हैं

मैं अपने किरदार से 70 प्रतिशत मेल खाती हूँ। इस वजह से कह सकते हैं कि बाहर की दुनिया में मैं चंद्रिका सिंह चौहान जैसी ही हूँ। ऐसे में मेरे लिए किरदार की कठोरता को कैमरे के सामने अपनाना मुश्किल नहीं था। मेरा 30 प्रतिशत हिस्सा वो है, जिसमें मैं 10 साल की बच्ची बन जाती हूँ। हालांकि, मेरी जिंदगी के इस हिस्से से बस पांच-छह करीबी दोस्त ही रूबरू हैं। वहीं मेरा चुलबुलापन, मस्ती-मजाक, जोक और पार्टी करना देख पाते हैं।

लगातार दर्शक आपको ही देखेंगे तो बोर हो जाएंगे

मैं थोड़ी ओल्ड स्कूल थिंकिंग वाली हूँ इसलिए सिलेक्ट हो हूँ। मुझे लगता है कि आप लगातार टीवी पर दिखोगे तो दर्शक आपसे बोर हो जाएंगे। ब्रेक लेना जरूरी है। आप कुछ ज्यादा ही अपने बारे में दुनिया के सामने जाहिर कर देंगे तो आपका मिस्ट्री फैक्टर चला जाएगा। मिस्ट्री फैक्टर ही ऐक्टर को स्टार बनाता है। अगर दुनिया को आपके बारे में सबकुछ पता है तो आप कॉमन हो जाएंगे। अगर नहीं पता है तो वे उतावले रहेंगे। मैं उस स्कूल से हूँ कि मेरी जिंदगी में क्या चल रहा है, किसी को पता नहीं चलना चाहिए। कुछ लोग रियलिटी शो में अपने बारे में सबकुछ जाहिर कर देते हैं, जो मुझे समझ नहीं आता। मैं हमेशा से मिस्ट्रीरियस रहना चाहती हूँ।

विधु विनोद चोपड़ा ने की 12वीं फेल के प्रीक्वल की घोषणा

विक्रान्त मैसी और मेधा शंकर अभिनीत 12वीं फेल 2023 की सबसे सफल फिल्मों में से एक है और अभी भी सभी से बहुत प्यार और सराहना प्राप्त कर रही है। आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और उनकी आईआरएस इंस्पेक्टर पत्नी श्रद्धा जोशी के जीवन पर आधारित विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म हाल के वर्षों में सबसे प्रेरणादायक फिल्मों में से एक मानी जाती है। फिल्म निर्माता ने फिल्म के प्रीक्वल की घोषणा की। फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा अपनी पत्नी अनुपमा चोपड़ा के साथ आईफा 2024 में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी अगली फिल्म जीरो से शुरू की घोषणा की। उन्होंने विक्रान्त मैसी की 12वीं फेल के प्रीक्वल की घोषणा की, जिसका शीर्षक जीरो से

शुरू है। यह फिल्म 13 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। निर्देशक ने बताया कि प्रीक्वल के लिए भी कलाकार वही रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि क्या वे ऑस्कर के लिए 12वीं फेल प्रस्तुत करेंगे या नहीं। उन्होंने कहा, मैं कोई अवॉर्ड फेलो नहीं हूँ। मैं यहाँ आईफा में अपनी पत्नी अनुपमा की वजह से हूँ। मैं वास्तव में आज उनके साथ ही हूँ। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज, असली अवॉर्ड वह है, जब आप कोई फिल्म बनाते हैं और उसे देखने के बाद आप या तो कह सकते हैं, आह, मैंने इसे बेहतरीन बनाया था फिर स्वीकार कर सकते हैं, यह ठीक से काम नहीं कर पाई।



सिकंदर में नजर आएंगी अंजिनी धवन

वरुण धवन की भतीजी अंजिनी धवन ने फिल्म 'बिबी एंड फेमिली' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है। यह फिल्म 27 सितंबर को रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अंजिनी अब सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में नजर आएंगी। मिड डे के रिपोर्ट के

मुताबिक, सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में एक मेन किरदार के लिए किसी फेश फेस की तलाश थी। अंजिनी उसमें पूरी तरह से फिट बैठती हैं, इसलिए उन्हें कास्ट किया गया है। अब जल्द ही वो फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। बताया गया है कि अंजिनी फिल्म की अहम कड़ी होने वाली हैं, इसीलिए मेकर्स उनके कैरेक्टर को छिपाकर रखना चाहते हैं।



जोकर वाले बयान पर हुई आलोचना के बाद अरशद ने तोड़ी चुप्पी

निर्देशक नाग अश्विन की ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्क 2898 एडी में प्रभास के अभिनय की समीक्षा के बाद अरशद वारसी को कई लोगों की आलोचना का सामना करना पड़ा था। अभिनेता के जोकर वाले बयान के बाद प्रभास उन पर भड़क पड़े थे। हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अरशद ने प्रभास के बारे में की गई टिप्पणी के बाद उस पर आने वाली ऑनलाइन प्रतिक्रिया के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी। अरशद ने कहा कि उनकी टिप्पणी कल्क 2898 एडी में प्रभास के

किरदार भैरव के बारे में थी, न कि व्यक्ति के बारे में। इस दौरान उन्होंने प्रभास को एक शानदार अभिनेता भी करार दिया। उन्होंने कहा, हर किसी का अपना देखने का तरीका होता है। मैंने किरदार के बारे में बात की थी न कि व्यक्ति के बारे में। वह एक शानदार अभिनेता हैं और उन्होंने खुद को बार-बार साबित किया है। यह हम सब जानते हैं। जब हम एक अच्छे अभिनेता को एक बुरा किरदार देते हैं, तो यह दर्शकों के लिए दिल तोड़ने वाला होता है। इसके अलावा, अरशद ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अलग-अलग भाषाओं की इंडस्ट्री एक साथ मिलकर फिल्में बना रही हैं। उन्होंने कहा, भाषा की बाधाएं पहले ही

दूर हो जानी चाहिए थी। मुझे वाकई गुस्सा आता है जब कोई बॉलीवुड या टॉलीवुड जैसे शब्दों का इस्तेमाल करता है। मैंने कई लोगों को कई बार सही किया है, मैंने उन्हें बताया कि यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री है। उन्होंने आगे कहा, हम सभी इस इंडस्ट्री में एक साथ हैं। मेरी प्रतियर्था एक-दूसरे से नहीं बल्कि बाकी दुनिया से है। जब मैं एक दिन फिल्म निर्देशित करूंगा, तो मैं सभी को कास्ट करना चाहूंगा, चाहे वे किसी भी इंडस्ट्री से क्यों न हों। भाषा मायने नहीं रखती।

पिछले महीने अनफिल्टर्ड बाय समदिश पॉडकास्ट के एक एपिसोड में जब अरशद से पूछा गया कि उन्होंने आखिरी बार कौन सी खराब फिल्म देखी थी। इस पर उन्होंने कल्क 2898 एडी का नाम लिया था। अरशद ने पन-इंडिया फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन के अभिनय की तारीफ की, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दुख है कि ब्लॉकबस्टर फिल्म में प्रभास जोकर की तरह लग रहे थे।

उनकी टिप्पणी के बाद अभिनेता नानी, सुधीर बाबू और निर्देशक अजय भूपति सहित तेलुगु फिल्म बिरादरी के सदस्यों ने अरशद की आलोचना करते हुए कहा था कि उन्हें अपने शब्दों का चयन बेहतर ढंग से करना चाहिए।

पलॉप फिल्म का सारा ठीकरा हीरोइन पर फोड़ देते हैं

मालविका मोहनन अपनी फिल्म युद्धा को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी के साथ रूनी स्पेस साझा कर रही हैं। फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब हाल ही में, बॉलीवुड बबल के साथ एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने बताया कि पलॉप फिल्मों का सारा क्रेडिट हीरोइन को दिया जाता है। मालविका ने बताया कि अगर फिल्म हिट होती है तो इसका सारा क्रेडिट सिर्फ हीरो को दे दिया जाता है। मालविका के इस बयान से ऐसा लग रहा है कि वह अपनी हालिया फिल्म युद्धा को लेकर यह बयान दे रही हैं।

